डीएवीपी/बीओसी/नोर्थन रेलवे से सूचीबद्ध | 04 राज्य 06 संस्करण | नई दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र | निर्भीक निष्पक्ष पत्र

RNI- DELHIN/2016/71693

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

श्रीजी एक्सप्रेस

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वर्ष : 08 | अंक : 90 | नई दिल्ली, रविवार, 01 अक्टूबर, 2023 | आश्विन कृष्ण द्वितिया, विक्रम संवत 2080 | पेज : 8 | मूल्य: ₹ 2 रुपये | www.shreejiexpress.com | Email-shreejiexpress2013@gmail.com

पीएससी घोटाले के गुनहगारों को नहीं बख्शेंगे : पीएम मोदी

बिलासपुर में कहा-मोदी यानी सपनों को पूरा करने की गारंटी; हमारा एक ही नेता कमल

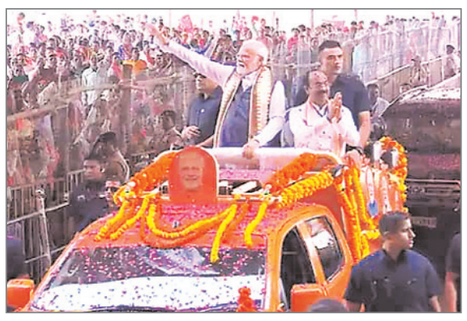

बिलासपुर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को बिलासपुर में बीजेपी की परिवर्तन यात्रा का समापन करने पहुंचे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत जह जोहार से करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में परिवर्तन तय हो गया है। हमारा एक ही नेता है कमल, हमारा एक ही उम्मीदवार है कमल। हर बूथ पर जब तक कमल नहीं खिलेगा हम चैन से नहीं रहेंगे। अऊ नहीं सहिबो, बदल के रहिबो का नारा मोदी ने लगाया। साथ ही उन्होंने ओबीसी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया। लेकिन बीजेपी की सरकार बनते ही पीएससी घोटाले की जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में सिर्फ घोटाले ही घोटाले हैं। हर योजना में भ्रष्टाचार हावी है। छत्तीसगढ़ अब कांग्रेस को हटाने और भाजपा को लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। पूरा प्रदेश कुशासन से त्रस्त है। भाजपा ने छत्तीसगढ़ के लोगों के सामर्थ्य को समझा। अटल जी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया। छत्तीसगढ़ का हाईकोर्ट बिलासपुर में है। यहां साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे का मुख्यालय है। यह राजस्व के हिसाब से सबसे बड़े रेलवे जोन में से एक है। इसकी स्थापना भी अटल जी के समय में हुई थी। आज मैं गारंटी देने आया हूं, आपके सपने को साकार करने के लिए मोदी कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा। आपका सपना अब मोदी का संकल्प है। छत्तीसगढ़ में भी अब भाजपा सरकार होगी। भाजपा विकास के लिए पूरी तरह समर्पित है।

मेरी कविता किसी भी जाति से संबंधित नहीं

- 'ठाकुर' वाली कविता पर मनोज झा की सफाई, मिल रही धमकियों पर तोड़ी चुप्पी

पटना (एजेंसी)। बिहार की सत्ताधारी आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने संसद में एक कविता सुनाई। ठाकुर का कुआं शीर्षक वाली इस कविता को लेकर जमकर बवाल देखने को मिल रहा। आरजेडी नेता को लगातार धमकियां दी जा रही। वहीं कई सियासी दलों ने भी इस मुद्दे पर मनोज झा को निशाने पर लिया। इस सियासी घमासान के बीच आरजेडी नेता ने पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि कविता सुनाने से पहले ही मैंने साफ किया था कि इसका किसी जाति से संबंध नहीं है। अगर कोई राज्यसभा में कही गई मेरी बात सुनेगा तो उसे सब साफ हो जाएगा। आरजेडी नेता ने आगे कहा कि बेतुकी बातों के लिए मेरे पास फोन आ रहे। मनोज झा ने कहा कि ठाकुर का कुआं कविता ओम प्रकाश वाल्मीकि की लिखी गई थी। संसद में इसे पढ़ने के पहले यह साफ कहा था कि यह किसी जाति से संबंधित नहीं है। 'ठाकुर' उनके अंदर भी हो सकता है। उस कविता का संदर्भ महिला आरक्षण बिल में पिछड़ों को शामिल करने को लेकर था।

भोपाल में बड़े तालाब पर देश का सबसे बड़ा एयर-शो

चिनूक की होल्डिंग पोजीशन, सूर्य किरण ने बनाया डायमंड शेप, एयरक्राफ्ट ने हवा में भरा फ्यूल

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना ने 91वें स्थापना दिवस पर शनिवार को भोपाल में शौर्य दिखाया। राजधानी के बड़ा तालाब स्थित बोट क्लब पर यह किसी वाटर बॉडी के ऊपर देश का सबसे बड़ा एयर-शो था। इसमें गजराज फॉर्मेशन में रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट आईएल-78 ने दो एम-2000 विमानों में हवा में फ्यूल भरा। दो चिनूक हेलिकॉप्टर्स ने बड़े तालाब पर पानी से कुछ फीट ही ऊपर पोजिशन होल्ड की।

इसी पोजीशन में हेलीकॉप्टर ने राउंड लिए। तेजस ने टॉप स्पीड में हवा में गोते लगाए। इनके गर्जन से आकाश गूंज उठा। 9 सूर्य किरण विमानों ने 6000 फीट की ऊंचाई पर डायमंड शेप बनाया। भोजेश्वर महादेव के सम्मान में एयरक्राफ्ट्स ने प्रदर्शन कर आसमान में त्रिशूल का आकार बनाया। इस रोमांच का साक्षी बनने के लिए वीआईपी रोड, वन विहार से लेकर राजा भोज सेतु तक दर्शकों की भारी भीड़ रही।

घरों और होटलों की छतों से लोगों ने शो देखा। एयर शो में सबसे पहले एमआई-17 वी-5 हेलीकॉप्टर्स से आकाश गंगा टीम के 10 सदस्यों ने 8000 फीट की ऊंचाई से बड़े तालाब में पैराशूट से स्काई डाइविंग की। मनुआभान टेकरी से दो चिनूक हेलीकॉप्टर्स के उड़ान भरने के बाद ध्वज फॉर्मेशन में 4 चेतक हेलिकॉप्टर्स उड़े। इस बीच सुबह 10.17 बजे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पत्नी साधना सिंह के साथ एयर-शो देखने पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

31 साल पुराने रेप केस में 215 सरकारी कर्मचारी दोषी करार

- तमिलनाडु के वचथी गांव में पुलिस, फॉरेस्ट और रेवेन्यू अफसरों ने किया था दुष्कर्म

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के वचथी गांव के 31 साल पुराने रेप केस में मद्रास हाईकोर्ट ने 215 लोगों को दोषी करार किया है। दोषियों में पुलिसवाले, फॉरेस्ट और रेवेन्यू अधिकारी शामिल हैं। 1992 में

इन लोगों ने आदिवासी गांव वचथी में 18 महिलाओं का रेप और पुरुषों को टॉर्चर किया था। 2011 में एक लोअर कोर्ट ने इन लोगों को दोषी ठहराया था। इस आदेश के खिलाफ आरोपियों ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने लोकर कोर्ट का फैसला बरकरार रखा। 20 जून 1992 को फॉरेस्ट और रेवेन्यू अधिकारियों के साथ मिलकर पुलिस टीम ने वाचथी गांव में रेड डाली थी।

चीन के अंतरिक्ष यात्रियों का अंतरिक्ष में अनोखा प्रयोग

स्पेस स्टेशन में माचिस से जलाई मोमबत्ती, मिले हैरान करने वाले रिजल्ट

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के शेनझओउ 16 के अंतरिक्ष यात्रियों ने तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में आग जलाई। इस दौरान हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। अंतरिक्ष यात्री गुई हाइचाओ और झू यांगझू ने 21

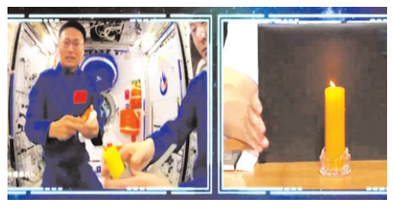

सितंबर को चीन के तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन से होने वाले लाइव टेलीकास्ट के दौरान एक मोमबत्ती जलाई। इस दौरान उन्होंने यह दिखाया कि माइक्रोग्रैविटी में आग की लपटें कैसे काम करती हैं। इस दौरान वीडियो में दिख रहा है कि आग की लपटें पानी के बूंद की तरह दिखाई नहीं देती। हम देखते हैं कि यह लगभग गोलाकार है। पृथ्वी पर जलाई गई मोमबत्तियां लपटें पैदा करती हैं। इस दौरान गर्म हवा ऊपर उठती है और ठंडी हवा नीचे आती है।

स्कॉटलैंड में भारतीय हाई कमिश्नर को गुरुद्वारे जाने से रोका

- खालिस्तानी समर्थकों ने उन्हें वापस भेजा, भारत ने ब्रिटिश विदेश मंत्रालय से आपत्ति जताई

अमृतसर (एजेंसी)। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को खालिस्तानियों ने स्कॉटलैंड के एक गुरुद्वारे में जाने से रोक दिया। ये वही गुरुद्वारा है, जहां दोराईस्वामी खालिस्तान गतिविधियों को लेकर गुरुद्वारा समिति के साथ बैठक करने आए थे। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, भारत ने ब्रिटेन के विदेश मंत्रालय के सामने पूरे मामले पर आपत्ति जताई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें खालिस्तान समर्थक गुरुद्वारे के बाहर भारतीय उच्चायोग दोराईस्वामी को घेरे दिख रहे हैं और उन्हें गुरुद्वारे में जाने से रोका जा रहा है। इसके बाद दोराईस्वामी एक कार में बैठकर वहां से चले गए। वीडियो में उनके जाने के बाद भी खालिस्तान समर्थक उन्हें दोबारा कभी वहां ना आने की हिदायत देते हुए नजर आए।

एशियाड गेम्स

टेनिस के बाद स्क्वॉश मेंस टीम को भी गोल्ड

- भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराया; 7वें दिन 3 मेडल आए, कुल संख्या 36 पहुंची
- बोपन्ना और रुतुजा की जोड़ी जीती,भारतीय स्क्वैश टीम ने पाकिस्तान को 2-1 से पीटा

हांगझोऊ (एजेंसी)। 19वें एशियन गेम्स का शनिवार को 7वां दिन था। चीन के हांगझोऊ में चल रहे इन गेम्स में शनिवार को रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले ने चीनी ताइपे के एन-शुओ लियांग और त्सुंग-हाओ हुआंग के खिलाफ तीसरा सेट टाई-ब्रेकर जीतने के साथ टेनिस मिक्स्ड डबल्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। भारतीय जोड़ी ने

फाइनल में चीनी ताइपे जोड़ी को 2-6, 6-3, [10] - [4] से हराया। वहीं रैंकिग में शीर्ष वरीय भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स की पुरुष टीम स्क्वैश स्पर्धा में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। दिन के हीरो चेन्नई के अभय सिंह रहे जिन्होंने उतार चढ़ाव भरे निर्णायक मैच में गजब का संयम दिखाते हुए नूर जमां को 3-2 से पराजित किया। इस मैच में 25 साल के भारतीय ने दो गोल्ड अंक बचाए और विजेता रहे। इससे पहले, शूटिंग में सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। शूटिंग गोल्ड के हुए मुकाबले में सरबजोत और दिव्या को चीन की जोड़ी झांग बोवेन और जियांग रैनक्सिन से 16-14 से हार का सामना करना पड़ा।

चालान कटा है तो भर दें जुर्माना,पांच की लिमिट

नहीं तो पड़ जाएगा भारी, आपकी गाड़ी पर कस जाएगा शिकंजा 5 से अधिक चालान नहीं भरे तो ई-वाहन पोर्टल पर नहीं होगा लॉगइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आपका चालान हुआ है और उसे भरने में आप लापरवाही कर रहे हैं तो आपकी परेशानी बढ़ सकती है। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट कई महीनों तक चालान नहीं भरने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ऐक्शन शुरू कर दिया है। चालान नहीं भरने वाले वाहन चालको का ई-वाहन पोर्टल पर एक्सेस बंद किया जा रहा है। विभाग की तरफ से 5 हजार से अधिक वाहन चालकों नो ट्रांजेक्शन कैटेगरी में डाल रहा है। इससे ऑफ ऑनलाइन पोर्टल पर किसी तरह का एक्सेस नहीं कर पाएंगे। इसके साथ ही दिल्ली पुलिस ने पेंडिंग ट्रैफिक चालान/नोटिस के भुगतान के लिए 8 अक्टूबर, 2023 को दिल्ली के सभी कोर्ट परिसरों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक राष्ट्रीय लोक अदालत लगाने का फैसला किया है। एक वरिष्ठ परिवहन अधिकारी ने कहा कि कुल 5,325 वाहनों पर कार्रवाई की गई है। पिछले महीने में कई चालानों का भुगतान नहीं करने पर ई-वाहन पोर्टल के माध्यम से लेन-देन नहीं करने वाली श्रेणी में डाल दिया गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के नियमों के तहत, विभाग कई लंबित जुर्माना वाले लोगों को ऑनलाइन लेनदेन तक पहुंचने से रोक सकता है।

फ्रीडम ऑफ स्पीच पर भारत को किसी की सीख नहीं चाहिए

अमेरिका में जयशंकर बोले-कनाडा में दूतावास पर बम फेंके, डिप्लोमैट्स को धमकाया, ये साधारण नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ रहा है। इस बीच शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वॉशिंगटन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा- भारत को अभिव्यक्ति की आजादी पर किसी और से सीखने की जरूरत नहीं है। अभिव्यक्ति की आजादी को इस हद तक बढ़ावा नहीं दिया जा सकता कि वो हिंसा भड़काने के लिए इस्तेमाल होने लगे। ये बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जयशंकर ने कहा- हमारे मिशन्स पर स्मोक बॉम्ब फेंके जाते हैं। डिप्लोमैट्स को धमकाया जाता है और उनके खिलाफ जगह-जगह पोस्टर लगाए जाते हैं। क्या ये आम बात है। अभी ये भारत के खिलाफ हुआ है, अगर ये किसी और देश के खिलाफ किया गया होता तब भी क्या इस मामले को इतना ही सामान्य समझा जाता। कनाडा में जो कुछ भी हुआ वो कोई छोटी या आम बात

नहीं है। जयशंकर ने सवाल पूछते हुए कहा- अगर किसी और की एम्बेसी और लोगों पर हमले हो रहे होते तो वो कैसे रिएक्ट करते। हम बताना चाहते हैं कि हमारे दरवाजे बंद नहीं हैं, अगर किसी के पास कोई ठोस जानकारी है तो आप उसे साझा करें। हम इस पर बात करने के लिए तैयार हैं।

दो छात्रों की मौत का मामला

मणिपुर में थम नहीं रहा बवाल, प्रदर्शन है जारी

- हजारों महिलाओं ने मशाल जलाकर रैली निकाली, सड़क पर बैठकर प्रोटेस्ट किया

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में दो स्टूडेंट्स की मौत के बाद पिछले एक हफ्ते से प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार रात हजारों की संख्या में महिलाओं ने इंफाल ईस्ट जिले के खुराई इलाके में मशाल जलाकर रैली निकाली। हालांकि सुरक्षाबलों ने उन्हें लामलोंग के पास रोक दिया। पूरी रात पुलिस के साथ महिलाओं की झड़प चलती रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने मणिपुर विधायक एल सुशिंद्रो के घर पहुंचने की कोशिश की। इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने टियर गैर शेल और नकली बम फेंके। 23 सितंबर को दोनों स्टूडेंट्स के शव की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसके बाद तनाव बढ़ गया।

यूरोप में नाटो संग युद्ध की आहट

रूस समर्थक सर्बिया ने तैनात किए घातक टैंक

बेलग्रेड (एजेंसी)। यूरोप में यूक्रेन युद्ध के बाद अब एक और जंग की आहट सुनाई दे रही है। सर्बिया और कोसोवो के बीच विवाद गंभीर रूप से लेता जा रहा है। अब सर्बिया ने बड़े पैमाने पर टैंक, तोप और सैनिकों को कोसोवो की सीमा पर तैनात कर दिया है। सैन्य विशेषज्ञ सर्बिया के इस सैन्य जमावड़े को अप्रत्याशित करार दे रहे हैं। तनाव को भड़कता देख अमेरिका ने सर्बिया से अनुरोध किया है कि वह अपनी सेना को कोसोवो की सीमा से हटा ले। कोसोवो में जहां नाटो देशों की सेना तैनात है, वहीं सर्बिया को रूस और चीन का समर्थन हासिल है।

चीन ने बड़े पैमाने पर हथियार भी सर्बिया को दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस ने शुक्रवार को चेतावनी दी है कि सर्बिया ने कोसोवो की सीमा पर घातक टैंक और तोपें तैनात की हैं। सर्बिया ने यह कदम उत्तरी कोसोवो में एक मठ में घातक संघर्ष के बाद उठाया है। बताया जा रहा है कि इस हिंसा में कोसोवो का एक पुलिसकर्मी और सर्बिया के 3 बंदूकधारी मारे गए थे। बताया जा रहा है कि यह पिछले कुछ वर्षों में सर्बिया और कोसोवो के बीच सबसे बड़ी हिंसा है। सर्बिया से अलग होकर कोसोवो अलग देश बना है लेकिन बेलग्रेड की सरकार ने अभी इसे स्वीकार नहीं किया है। वाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, हम कोसोवो की सीमा पर सर्बिया के बड़े पैमाने पर सैनिकों की तैनाती की निगरानी कर रहे हैं। इसमें सर्बिया की अत्याधुनिक तोपें, टैंक और हथियारों से लैस पैदल सेना शामिल है। हमारा मानना है कि यह बहुत ही अस्थिर करने वाला घटनाक्रम है। हम सर्बिया से अनुरोध करते हैं कि वह अपनी सेना को सीमा से हटा ले।

2000 के नोट बदलने की मियाद एक हफ्ते बढ़ी

अब 7 अक्टूबर तक बैंकों में बदल सकेंगे,आरबीआई ने जारी किया नया सर्कुलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने 2000 रुपए का नोट बैंक में जमा करने या इसे दूसरे नोटों से बदलने की तारीख 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। आरबीआई ने सर्कुलर जारी करके कहा, विड्रॉल प्रोसेस का तय समय खत्म होने के बाद, रिव्यू के आधार पर 2000 रुपए के नोट को जमा और बदलने की मौजूदा व्यवस्था को 7 अक्टूबर 2023 तक बढ़ाने का फैसला किया गया है। इससे पहले, न्यूज एजेंसी के हवाले से खबर आई थी कि 30 सितंबर तक 2000 का नोट न बदले जाने पर अगले दिन यानी 1 अक्टूबर से उसकी वैल्यू जीरो हो जाएगी। हालांकि सूत्रों ने जानकारी दी थी कि शाम तक आरबीआई नोट बदलने की समय सीमा को बढ़ा सकता है। ऐसा ही हुआ और ऋ्रह्ल ने 2000 के नोट बदलने की समय सीमा एक हफ्ते के लिए बढ़ा दी।

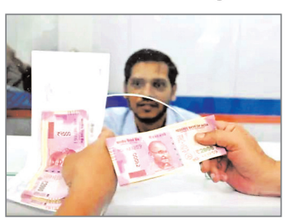

संक्षेप खबर

मथुरा वृंदावन के बंदरों में इंसानों ने फैलाई बीमारी

मथुरा। मथुरा वृंदावन में जहां तहां बंदर धमा चौकड़ी मचाते देखे जा सकते हैं। अभी तक यह बंदर लोगों के सामान छीनकर भाग जाते थे, मगर अब इंसानों की जिंदगी इनके कारण खतरे में आ गई हैं। एक रिसर्च में पता चला है कि यहां के बंदरों में टीबी बीमारी पनप रही है। अब तक मथुरा वृंदावन के बंदरों से लोग परेशान थे, किन्तु अब आईवीआरआई की स्पेशल रिपोर्ट से लोगों का स्वास्थ्य भी खतरे में पड़ गया है। बरेली के इज्जतनगर में स्थित इंडियन वेटेरिनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि वृंदावन के बंदरों में टीबी की बीमारी फैल रही है। फेफड़ों में संक्रमण होने की वजह से इनका बर्ताव भी खूंखार होता जा रहा है। इसकी वजह उन्हें पर्याप्त खाना नहीं मिलना भी माना जा रहा है। पाँच माह पहले नगर निगम ने इन बंदरों को पकड़कर वन क्षेत्र में छोड़ने की योजना बनाई थी। उन्हीं बंदरों में कुछ बंदरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तो यह खुलासा हो सका, अब नगर निगम इन बंदरों को आबादी क्षेत्र से दूर करने की कवायद में जुटा हुआ है ताकि इनके कारण अन्य जीव-जंतुओं में यह बीमारी न फैले। वृन्दावन के बंदरों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के लिए बरेली से आईवीआरआई की टीम पहुंची थी। टीम ने करीब 100 बंदरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। कुछ मृत बंदरों का पोस्टमॉर्टम भी किया गया। जिससे सामने आया कि वृन्दावन के बंदर टीबी जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। जांच रिपोर्ट में टीम को उनके फेफड़ों में संक्रमण मिला। आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने बताया कि बंदरों में होने वाली टीवी बीमारी को रिवर्स जूनोसिस कहा जाता है। दरअसल, जानवरों से इंसानों में होने वाली बीमारी को जूनोसिस बीमारी कहा जाता है। नगर निगम उन्हें पकड़कर जंगलों में छोड़ने की प्लानिंग में लगा है, जबकि वन विभाग बंदरों को टीबी से बचाने की तैयारी में है।

इस तरह बीमारी का शिकार हो रहे बंदर

बंदरों में कैसे फैली टीबी की बीमारी? जब इस बारे में जानकारी की गई तो यह बात सामने आई कि जो लोग टीबी रोग से पीड़ित हैं, वे अपने द्वारा खाए गए फल और दूषित भोजन को इधर-उधर फेंक देते हैं, जिसे बंदर खा जाते हैं। जिसके बाद वह भी उस बीमारी से पीड़ित हो गए. वही वैज्ञानिकों के शोध में बंदरों के व्यवहार में उग्रता भी पाई गई। इसके लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलने की वजह बताई जा रही है। देश-विदेश से आने वाले करोड़ों लोग वृन्दावन में बंदरों की समस्या से भलीभांति परिचित हैं। समय-समय पर इन बंदरों को पकड़ने की कवायद भी की जा चुकी है।

अब बंदर वन्य जीवों की संरक्षित प्रजाति की श्रेणी में नहीं आते है, इस कारण से यह हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है किन्तु हमारी जानकारी में इस प्रकार की कोई रिपोर्ट अभी तक सामने नहीं आई है। अब बंदरों के स्वास्थ्य और उनके द्वारा मनुष्यों पर प्रभाव के विषय में नगर निगम मथुरा वृन्दावन देख रेख करता है।

– रजनीकांत मित्तल, डीएफओ

जिला अस्पताल में हर माह 35 से 40 हजार ओपीडी

-1300 से 1500 मरीजों की महीने होती है आईपीडी

मथुरा। जिला अस्पताल हर महीने 35 से 40 हजार ओपीडी हो रही हैं। जबकि 1300 से 1500 मरीजों को भर्ती कर उनका इलाज किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय के सीएमएस डा.मुकुंद बंसल ने बताया कि सीमित संसाधनों में बेहतर सुविधा और इलाज उपलब्ध कराने के प्रयासों के चलते यहां आने वाले मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। जिला अस्पताल मथुरा में डेंगू, बीपी, सुगर, एचआईवी, हेपेटाइटिस, खून से संबंधित जांच के अलावा लगभग सभी बीमारियों का इलाज उपलब्ध है। इस समय जिला चिकित्सालय में लगभग 20 चिकित्सक उपलब्ध हैं। 10 चिकित्सकों की डिमांड शासन को भेजी गई है। जल्द ही यह संख्या 30 हो जाएगी। कार्डियोलॉजिस्ट की डिमांड भी शासन को भेजी गई है। वर्तमान में जिला चिकित्सालय में कार्डियोलॉस्टि का पद रिक्त है। रात के समय आने वाले मरीजों को इलाज मिल सके इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है और चिकित्सकों की नियमित ड्यूटी रहती है। उन्होंने बताया कि महीने में 35 से 40 हजार लोग ओपीडी में आते हैं। आईपीडी में 64 बैड हैं, जो कि लगभग 100 प्रतिशत उपयोग में रहते हैं। कभी कभी इसके ऊपर भी आवश्यकता पड़ने पर बैड लगाने पडते हैं। प्रयास यही रहता है कि उन्हें यहां इलाज मुहैया कराया जा सकता है उन्हें हर हाल में यहां इलाज की सुविधा मिले। भर्ती होने वाले मरीजों के लिए सरकार की ओर से मुफ्त दवा, नाश्ता, खाने की व्यवस्था है। मरीज के साथ तीमारदार को खाना और नाश्ता मिलता है। सीएमएस ने बताया कि इस समय डेंगू को लेकर सतर्कता बरती जा रही है इसी के तहत दो दिन पहले दिल्ली से आई टीम ने पूरे जिला अस्पताल में जांच की और पूरा अस्पताल परिसर डेंगू व लार्वा फ्री मिला। जिस पर टीम को अस्पताल प्रबंधन की तारीफ की गई। डैंगू के मरीजों के लिए ब्लड, प्लेटलेट्स और दवा पर्याप्त मात्रा में जिला चिकित्सालय में उपलब्ध है। सीएमएस ने बताया कि अस्पताल में आने वाला कोई भी मरीज निराश नहीं लौट सकता। हमारी पूरी टीम द्वारा सेवा भाव से उपचार कर उनके रोगों का निदान किया जाता है। अगर किसी मरीज की स्थित बिगड़ती है तो उसे हायर सेंटर रेफर करते हैं तो उसे निःशुल्क एम्बुलेंस भी उपलब्ध कराई जाती है।

तीन दिन चलेंगे अग्रसेन जयंती के कार्यक्रम

मथुरा। जयंती का कार्यक्रम 11, 12 व 13 अक्टूबर 2023 को होना तय हुआ है। जिसमें 11 अक्टूबर को वृक्षारोपण मोक्षधाम आकाषवाणी पर होगा व 12 अक्टूबर को नर सेवा नारायण सेवा का कार्यक्रम कल्याण करोति सरस्वती कुण्ड पर होगा व 13 अक्टूबर को विभिन्न प्रतियोगितायें रंग भरो, बिस्किट आर्ट, बॉल हैंगिग लेडीजों के लिये सुबह 12 बजे नेषनल चैम्बर भवन सरस्वती कुण्ड रोड पर होगा व सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं को होगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये अध्यक्ष सुनीता सिंघल, मंत्री प्राची बंसल, ममता बिन्दल, लक्ष्मी गुप्ता, पुष्पा अग्रवाल, आशा अग्रवाल आदि से सम्पर्क कर सकते हैं।

568 करोड़ में शुरू होगा छाता शुगर मिल का ट्रायल - लक्ष्मीनारायण चौधरी

अगरयाला में एक करोड़ के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण और शिलान्यास

चौमुंहा/विक्रम सैनी

(श्रीजी एक्सप्रेस)। विकास खंड के गांव अगरयाला में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण एवं उनके प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने करीब एक करोड़ रुपये की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं फीता काटकर लोकार्पण किया। चौधरी लक्ष्मीनारायण एवं प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने पंचायत भवन,आर.आर. सी. सेंटर के अलावा अमृत सरोवर का उद्घाटन फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने गांव की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अंत्येष्टि स्थल व बरात घर का शिलान्यास किया।

साथ ही उन्होंने किसानों के लिए गांव अगरयाला में खाद,बीज केंद्र का संचालन फीता काटकर शुरू कराया। इस अवसर पर गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री

चौधरी लक्ष्मीनारायण ने कहा कि छाता क्षेत्र में विकास की कोई कमी रहने नहीं दी जाएगी।

गांवों का विकास शहरी क्षेत्रों की तरह होगा। सरकार प्रत्येक गांव के लिए पक्की सड़क बनवाएं जाने के लिए प्रयासरत है। 568 करोड़ से बनकर तैयार होने वाली बंद पड़ी छाता शुगर मिल का ट्रायल आगामी वर्ष 2024 में होगा।

इससे पूर्व किसानों के लिए घर-घर गन्ने का बीज पहुचने की व्यवस्था सरकार द्वारा की गई है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेतों में गन्ना बुवाई शुरू कर दे।

छाता क्षेत्र में खारे पानी की समस्या को दूर करने के लिए जल्द ही हर घर गंगाजल पहुचेगा। मंत्री ने गांव अगरयाला में खराब पड़े पानी की टँकी के सभी बोर को तत्काल सही कराने का भरोसा ग्रामीणों को दिलाया।

साथ ही गांव के मैन रास्ते की इंटरलॉकिंग सड़क एवं शेरगढ़ अगरयाला मार्क के लिंक रोड को जल्द ही बनवाएं जाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया। उन्होंने

कहा कि मैने विकास के लिए जातिवाद या क्षेत्रवाद को कभी कोई महत्व नहीं दिया है। मेरे लिए मेरे क्षेत्र का विकास सर्वोपरि है। पंचायत सचिव चौधरी ब्रजमोहन सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत अगरयाला में कैबिनेट मंत्री ने अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया है।

प्रधान रूपसिंह ने मंत्री का पगड़ी,पटुका एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। प्रधान रूप सिंह ने मंत्री को 21 हजार एवं उनके प्रतिनिधि को 11 हजाए रुपये भेंट कर उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रधान पंडित ओमप्रकाश शर्मा, मोहित प्रधान,रूपचंद प्रधान,सुरेश खान प्रधान,प्रधान प्रतिनिधि ठाकुर ओमप्रकाश सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रेमचंद, प्रेमपाल,कैलाश डीलर,अजय डीलर,विक्रम लंकावासी डीलर,रिंकू डीलर, आदि लोग उपस्थित रहें।

भाजपा सरकार में हुआ अनुसूचित वर्ग का विकास - पं.शोभाराम

लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने क्षेत्र की अनुसूचित बस्तियों में भ्रमण कर जानी समस्याएं

चौमुहां।श्रीजी एक्सप्रेस

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत वरिष्ठ भाजपा नेता एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि पंडित शोभाराम शर्मा ने चौमुहां ब्लॉक के जमालपुर,नगला सपेरा,जाटव बस्ती नरी, चैनपुरा आदि गांवों की अनुसूचित बस्तियों में घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को जाना। इस दौरान उन्होंने भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा ने सिर्फ बाबा साहेब अंबेडकर का सम्मान किया है। बल्कि उनकी विरासत को भी आगे ले जाने का काम भाजपा कर रही है। कहा कि भाजपा समान नागरिक संहिता लागू करने और आर्टिकल 370 हटाने जैसे उनके नक्शे कदम पर चल रही है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर अम्बेडकर राष्ट्रीय राहत योजना के तहत अत्याचार के शिकार हुए अनुसूचित जाति के पीड़ितों को अत्याचार निवारण के तहत 5 लाख तक कि तत्काल आर्थिक राहत देने का काम भाजपा की सरकार में हुआ है। भाजपा सरकार ने पंचतीर्थ अर्थात डॉक्टर अंबेडकर से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों का विकास कराया।

अब 26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022-23 में अनुसूचित जातियों के कल्याण और विकास के लिए सरकार ने एक लाख करोड़ से भी अधिक रुपये खर्च किए हैं। इसके साथ-साथ गरीबों के लिए सरकार ने उज्वला योजना,जनधन खाते, पीएम गरीब कल्याण योजना,वन नेशन वन राशन कार्ड योजना,आयुष्मान भारत योजना,स्वच्छ भारत मिशन,जल जीवन मिशन,पीएम कौशल विकास योजना,प्रधानमंत्री मुद्रा योजना,अटल पेंशन योजना,किसान सम्मान निधि योजना सहित अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रखी हैं। जिसका लाभ आज देश का प्रत्येक किसान,गरीब,मजदूर भली भांति उठा उठा रहा है। इस अवसर पर चौमुहां मंडल अध्यक्ष डॉक्टर राजवीर सिंह, मुरारी लाल शर्मा, सियाराम, पुरुषोत्तम शर्मा, सहित गांवों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

विद्युत विभाग ने डोर टू डोर अभियान में दुरूस्त की कमियां

-स्टोर रीडिंग, मीटर खराब, लोड के मामलों को किया निपटारा

मथुरा। विद्युत विभाग द्वारा सितम्बर महीने में चलाये गये डोर टू डोर अभियान की अब विभाग द्वारा समीक्षा की जा रही है। इस दौरान मीटर रीडर के साथ विद्युत विभाग का कर्मचारी भी हर उपभोक्ता तक पहुंचा। अलग अलग टीमों ने भी शहर से गांव तक दस्तक दी। रीडिंग स्टोर होने, मीटर खराब होने, बिजली चोर तथा डिमांड आदि को परखा गया तथा बड़े पैमाने पर कार्यवाही की गई। मथुरा शहर में 11 हजार 638 उपभोक्ताओं को विभाग की ओर से फोन किया गया। अभियान के दौर 32 मीटरों में रीडिंग स्टोर होने के मामले पकड़ में आये। इन मीटर्स में कुल 78 हजार 191 यूनिट स्टोर पाई गई। 66 मीटर खराब पाये गये तथा 150 मामले बिजली चोरी के पकडे गये। विभाग बिल और दूसरी सूचनाएं उपभोक्ता को मोबाइल पर भेज रहा है। ऐसे में 2778 उपभोक्ताओं के गलत मोबाइल नम्बर मिले, इन उपभोक्ताओं के सही मोबाइल नम्बर फीड किये गये जिन से इन्हें समय पर सभी सूचनाएं विभाग उपलब्ध करा सकेगा। छटीकरा पर कार्यवाही के दौरान एक मीटर में गड़बड़ी मिलने पर एक मीटर रीडर को हटाया गया है। चौकिंग के दौरान ही 223 नए कनेक्शन भी दिये गये। 3590 उपभोक्ताओं पर कुल 5196 किलोवाट का लोड बढ़ाया गया है। एक्सईएन सिद्धार्थ रंजन ने बताया कि उनके क्षेत्र में 112 घरेलू मीटरों को कार्मिशयल में बदला गया है। जबकि 365 मीटरों का लोड बढाया गया है। मीटर रीडर द्वारा परिसर में जाकर सही रीडिंग कनेक्शन नहीं करने पर बिलिंग एजेंसी पर 10 हजार का जुर्माना लगाया गया है, मीटर में रीडिंग स्टोर मिलने पर भी कार्यवाही की गई है। एसई देहात राजीव कुमार ने बताया कि मांट में 41 उपभोक्ताओं का लोड बढ़ाया गया है। ईडीसी प्रथम मथुरा में 12617 चौकिंग की गई, 18 मीटरों में रीडिंग स्टोर मिलीं, 76 में लोड बढ़ाया गया है।

सम्मानित उपभोक्ताओं से निवेदन है कि वह चोरी का रास्ता छोड कर नियमानुसार बिजली का उपयोग करें। जो लोग बिना कनेक्शन के बिजली जला रहे हैं वह नये कनेक्शन ले लें विभाग द्वारा पकडे जाने पर विद्युत अधिनियम के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी।

–मनोज कुमार, एसई शहर

2.5 किलोग्राम गांजे के साथ दो पकडे

मथुरा। थाना छाता पुलिस ने अवैध गांजे की बिक्री करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना छाता संजीव कुमार दुबे के मुताबिक श्रवण कुमार पुत्र बलकेश्वर बिन्द निवासी ग्राम बरेज थाना मोहनिया जिला भभुआ बिहार तथा सोनू कुमार पुत्र बहादुर बिन्द निवासी परासिया थाना चौनपुर जिला भभुआ राज्य बिहार को शेरगढ चौराहे से 2.5 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना छाता पर एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

मुख्यमंत्री ने किया पं0 दीनदयाल उपाध्याय मेला के पोस्टर का विमोचन

दीनदयाल धाम (फरह)। भारत माता के अमर सपूत, एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता, महामनीशी, महान दार्शनिक एवं आदर्श राजनेता पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के पावन जन्मदिवस आश्विन कृष्ण त्रयोदशी संवत् 2080 तदनुसार 12 अक्तूबर के अवसर पर इस बार चार दिनी जन्मोत्सव समारोह 11, 12, 13 एवं 14 अक्तूबर, 2023 को दीनदयाल धाम में उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी स्मृति महोत्सव मेला समारोह के पोस्टर का विमोचन किया गया है। मुख्यमंत्री 11 अक्तूबर को मेला का उदघाटन कर विराट किसान संगोष्ठी में मुख्य अतिथि रहेंगे।

विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव पर चार दिनी मेला 11 अक्तूबर से 14 अक्तूबर तक दीनदयाल धाम फरह में आयोजित होगा। गत दिवस पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्मारक समिति और पं0 दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव समिति पदाधिकरियों के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके कार्यालय कालीदास मार्ग लखनऊ में भेंट कर मुख्यमंत्री को पं0 दीनदयाल उपाध्याय के जन्मोत्सव में आने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंडित जी के जन्मोत्सव पर आयोजित चार दिवसीय मेला के कार्यक्रमों के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने मेला में आने का निमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर मेला में आने का आश्वासन दिया।

छुट्टी के दिन छात्रवृत्ति घोटाले के आरोपित पहुंचे कार्यालय !

-कार्यालय में मौजूद लोगों में से किसी ने बना लिया वीडियो, मचा हड़कंप

-घटनाक्रम को लेकर समाज कल्याण अधिकारी हुए सख्त

मथुरा। करोड़ों के छात्रवृत्ति घोटाले में आरोपित बनाए गये समाज कल्याण विभाग के तत्कालीन अधिकारी और कर्मचारी छुट्टी के दिन अचानक राजीव भवन स्थित समाज कल्याण विभाग के कार्यालय पहुंचे। इस समय कार्यालय में मौजूद लोगों में से ही किसी ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। जब यह वीडियो सजाम कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह तक पहुंचा तो उनके तेवर सख्त हो गये। समाज कल्याण अधिकारी ने इस पूरे घटनाक्रम को बेहद गंभीरता से लिया है। भाजपा विधायक पूरन प्रकाश ने मथुरा में हुए छात्रवृत्ति घोटाले की आवाज विधानसभा में उठाई थी। जिसके बाद छात्रवृत्ति घोटाले का खुलासा हुआ था।

इस मामले में तत्कालीन समाज कल्याण अधिकारी, कई कर्मचारी और कॉलेज संचालकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इस मामले में निलंबित पूर्व जिला समाज कल्याण अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी, वरिष्ठ लिपिक, लिपिक के अलावा 60 से अधिक आईटीआई के प्रबंधकों और संचालकों को भी आरोपी बनाया गया है।

तीन साल बीत जाने के बाद भी अभी तक जांच पूरी नहीं हुई है, पूरे मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा कानपुर कर रही है। बताया जा रहा है कि कई कर्मचारियों ने अभी तक अपने चार्ज दूसरे कर्मचारियों को नहीं सौंपे हैं। 28 सितंबर को सरकारी अवकाश था। मामला संज्ञान में आने के बाद जिला समाज कल्याण अधिकारी के तेवर तल्ख हो गये। उन्होंने इस पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए, उच्चाधिकारियों को घटनाक्रम से अवगत करा दिया है।

शनिवार को अवकाश था वर्तमान में हमारे जो बाबू हैं वह तो हमसे पूछ कर कार्यालय में काम करने के लिए बैठे हुए थे।

लेकिन बाकी और जो लोग आए हैं उन्होंने ऐसी कोई सूचना मुझे नहीं दी है और संबंधित लिपिक के द्वारा भी मुझे नहीं बताया गया है कि कोई पत्रावली इधर से उधर हुई है। कोई पत्रावली इधर से उधर हुई है या फिर कुछ भी ऐसा पता चलता है है तो निश्चित तौर पर उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। बाकी इस घटना के संबंध में एक रिपोर्ट मैं निदेषालय को प्रेषित करूंगा कि ऐसा ऐसा इन अधिकारी और कर्मचारियों के द्वारा किया गया है। इस तरीके से आना और मुझे बिना सूचित किये कार्यालय में उपस्थित रहना आपत्तिजनक है।

–नगेन्द्र पाल सिंह, समाज कल्याण अधिकारी मथुरा

बाढ़ से हुई सफाई के बाद फिर प्रदूषित हुई यमुना

अपार गंदगी और घुटनों तक कीचड़ देखकर आहत हो रही आस्था

आगरा/मथुरा।श्रीजी एक्सप्रेस

आधुनिक भारत में आजादी के सात दशक बाद भी हम शुद्ध वर्षा जल को संरक्षित रखने में असफल हो रहे हैं या अधिकारियों की उदासीनता और कार्यशैली जिम्मेदार है। यह आज जनमानस के लिए यक्ष प्रश्न के समान है। तीनों लोक से न्यारी मथुरा पुरी में प्रतिदिन देश देशांतर से हजारों श्रद्धालु मां यमुना महारानी के दर्शन, पूजा, अर्चना और स्नान के लिए मथुरा पुरी आ रहे हैं। निरंतर गिर रहा प्रदूषित पानी यमुना जल की स्थिति खराब कर रहा है साथ ही गत दिवस यमुना के जलस्तर में गिरावट से स्नान करने वाले घाटों पर स्थिति दयनीय हो गई है। यही हाल आज पुनः मथुरा पुरी के घाटों पर नजर आया। जब मथुरा में ब्रज दर्शन और मथुरा पुरी बृजमंडल चौरासी कोस तीर्थ यात्रा के लिए हजारों श्रद्धालु मथुरा के यमुना घाटों पर स्नान करने के लिए आ रहा है तो यमुना जल की स्थिति देखकर उसकी भावनाएं आहत हो रही है, स्नान घाट से पानी

ही गायब है। अपार गंदगी और घुटनों कीचड़ देखकर हतप्रद रह जाता है और सोचता है कि मोदी, योगी, युग में यमुना की इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है। बृज पर्यावरण संरक्षण परिषद के अध्यक्ष एवं एनजीटी में याचिकाकर्ता तीर्थ पुरोहित माथुर चतुर्वेदी समाज के सरदार कान्तानाथ चतुर्वेदी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट, एनजीटी के आदेशों को दरकिनार कर कार्य करना अधिकारियों की आदत हो गई है, प्रशासनिक अधिकारियों की घोर लापरवाही से जनभावनाओं के साथ निरंतर खिलवाड़ हो रहा है। बृज पर्यावरण संरक्षण परिषद के महामंत्री रामदास चतुर्वेदी निवर्तमान पार्षद का स्पष्ट कहना है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इस विषय का अधिकारियों से गंभीरता पूर्वक संज्ञान लेना चाहिए। रामदास चतुर्वेदी का तो यह भी कहना है कि सात दशक बाद भी अधिकारियों की कार्यशैली में परिवर्तन नहीं है,आज भी उनके सोच अंग्रेजों जैसी है कि हम शासक है और जनता पर शासन करना है। तीर्थ पुरोहित सूर्यकांत चतुर्वेदी का कहना है गत माह यमुना के सुंदर स्वरूप का दर्शन कर हजारों श्रद्धालुओं ने मथुरा पुरी दर्शन करने का निश्चय किया और जब आज वह मथुरा पुरी आ रहे हैं तो अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। घाटों पर जलस्तर की स्थिति स्थानीय निवासियों के साथ हजारों श्रद्धालुओं के लिए कष्टदायक दर्शित हो रही है और प्रशासनिक अधिकारी मौन हैं।

कार्यालय ग्रा.पं. मलपुरा वि.ख. अकोला, आगरा

पत्रांकः मीमो / पंचम / पन्द्रहवां वित्त आयोग / 2023-24 दिनांक 29-09-2023

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्रा.पं. मलपुरा वि.खं. अकोला की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतू सामग्री की आपूर्ति पंजीकृत फर्मों द्वारा आमंत्रित की जाती है।

उक्त निविदा विस्तृत विवरण सहित ग्राम पंचायत कार्यालय से 01-10-2023 से 06-10-2023 के मध्य किसी भी दिवस में प्राप्त की जा सकती है। निविदायें 07-10-2023 को दोपहर 12.00 बजे तक डाली जा सकती है। एवं दिनांक 07-10-2023 को 3.00 बजे उपस्थित निविदाताओं के समक्ष खोली जायेगी।

कार्य का विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख)	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य की अवधि
1	लक्की के घर से सुखवीर फौजी के खेत तक इण्टर लॉकिंग एवं नाली निर्माण कार्य	7.69	200	15400	1 माह

निविदा की शर्ते-

1. निविदादाता को फर्म की जीएसटी रजिस्ट्रेशन पैनकार्ड की प्रति निविदा के साथ संलग्न करनी होगी।
2. निविदा स्वीकृत / संशोधित अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के निहित होगा ।

प्रधान
ग्राम पं.-मलपुरा,
वि.ख. अकोला, आगरा

सचिव
ग्राम पं.-मलपुरा,
वि.ख. अकोला, आगरा

संक्षेप खबर

अरविन्दर सिंह लवली के नेतृत्व में उत्तर पश्चिमी दिल्ली के जिलों की बैठक आयोजित

नई दिल्ली। प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में आज संगठन को मजबूत करने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के नेतृत्व में उत्तर पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के दोनो जिलों की एक बैठक हुई। बैठक में यह फैसला लिया गया कि इस सिलसिले में सभी जिलों, ब्लाक व विधानसभाओं में संगठन को मजबूत बनाने के लिए बैठकें आयोजित की जाऐंगी। जिसमें क्षेत्र के सभी वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक, निगम पार्षद, जिला व ब्लाक के पदाधिकारियों, पूर्व निगम पार्षद, सहित अग्रिम संगठनां व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियो के अलावा क्षेत्रीय लोग भी शामिल होंगे। बैठक में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य देवेन्द्र यादव, पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ और डा0 उदित राज, एस.सी. विभाग के चेयरमैन राजेश लिलौठिया, पूर्व विधायक जय किशन, सुरेन्द्र कुमार, जसवंत राणा, चरण सिंह कंडेरा, जिला अध्यक्ष विशाल मान, निगम में सदन के पूर्व नेता जितेन्द्र कुमार कोचर, अमित मलिक, डा0 नरेश कुमार सहित दोनो जिलों के ब्लाक अध्यक्ष, पूर्व निगम पार्षद, चुनाव लड़े प्रत्याशी बड़ी संख्या में मौजूद थे। श्री लवली ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए प्रत्येक जिले व ब्लाक में बैठक आयोजित की जाऐगी। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए मैं 24 घंटे उपलब्ध हूँ, प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए मेरे दरवाजे खुले है, उनका प्रदेश कार्यालय में स्वागत है। मैं प्रतिदिन 2 बजे से प्रदेश कार्यालय में उपलब्ध हूँ। श्री लवली ने आव्हान करते हुए कहा कि जिलों व ब्लाकों की बैठकों में अधिक से अधिक लोगों को बुलाना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता बदलाव चाहती है, हमें सिर्फ एक कोशिश करनी है, सब मिलकर काम करेंगे तो कांग्रेस फिर वापसी करेगी।

टीचर्स एसोसिएशन के चुनाव कराए जाएं - डी.के.तिवारी

नई दिल्ली। गवर्नमेंट स्कूल टीचर्स एसोसिएशन (जी.एस.टी.ए)दिल्ली के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की वह एकमात्र एसोसिएशन है जिसकी मान्यता अपने कार्यकाल के दौरान दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल रहे जगमोहन ने दी थी। इसलिए मान्यता प्राप्त एसोसिएशन होने के नाते इसके चुनाव शिक्षा निदेशालय द्वारा ही कराए जाते हैं। चुनी हुई कार्यकारिणी का कार्यकाल पांच वर्ष के लिए है। एसोसिएशन के पिछले चुनाव जुलाई, 2014 में कराए गए थे और अब इसके चुनाव गत् 2019 से लंबित हैं। यह कहना है शिक्षक नेता डी.के.तिवारी का। श्री तिवारी कहते हैं एसोसिएशन की वर्तमान कार्यकारिणी शुरू से ही वैचारिक भिन्नता, और दो गुटों में बटीं होने के कारण शिक्षकों की समस्याओं के समाधान में पूर्णतया विफल रही है। इस कारण आज दिल्ली का शिक्षक अपने सम्मान और अधिकारों के लिए हताश और परेशान है। इसके बावजूद भी सत्ता पर काबिज वर्तमान कार्यकारिणी एसोसिएशन के नये चुनाव कराना नहीं चाहती है। चुनाव की प्रारंभिक प्रक्रिया के लिए कार्यकारिणी को ही स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को सदस्यता शुल्क के माध्यम से सदस्य बनाकर, वोटर लिस्ट तैयार करनी है। इसी वोटर लिस्ट के आधार पर फिर शिक्षा निदेशालय कोई रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त करता है और मतदान कराकर एसोसिएशन के चुनाव कराता है। सोसायटी फॉर टीचर्स कॉज नें सरकार व शिक्षा निदेशालय से मांग की है कि हाल ही में सम्पन्न हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन तथा दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के चुनाव की तरह ही गवर्नमेंट स्कूल टीचर्स एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के लिए भी चुनाव कराए जायं।

जबरन धर्मपरिवर्तन का आरोप लगाकर हंगामा किया

नई दिल्ली। वजीराबाद में शुक्रवार रात जबरन धर्म परिवर्तन का आरोप लगाते हुए भीड़ ने एक बैंक्वेट हॉल के बाहर हंगामा किया। मौके पर पहुंची कई थानों की पुलिस ने किसी तरह से भीड़ को संभाला। पुलिस का कहना है कि बैंक्वेट हॉल में जन्मदिन की पार्टी चल रही थी, धर्म परिवर्तन का कोई मामला सामने नहीं आया है। सुरक्षा के लिहाज से शनिवार को भी बैंक्वेट हॉल के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस के मुताबिक, खान वाटिका नाम के बैंक्वेट हॉल में शुक्रवार को छह वर्षीय बच्चे के जन्मदिन की पार्टी चल रही थी। इस दौरान बच्चे का नामकरण किया जाना था और इसके लिए धर्मगुरु भी आमंत्रित किए गए थे। पार्टी में लाउड स्पीकर आदि का प्रबंध किया गया था। इस दौरान कार्यक्रम के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिनमें दिख रहा था कि धर्मगुरु कुछ लोगों पर मंत्र फूंक रहे हैं और वे लोग अजीबोगरीब हरकतें कर रहे हैं। यह देखकर 300 से 400 लोगों की भीड़ वाटिका पर पहुंच गई। भीड़ जोर-जोर से नारे लगाने लगी। भीड़ में शामिल लोगों का कहना था कि वाटिका में लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। स्थिति इस हद तक बिगड़ गई कि एक समय भीड़ पथराव करने पर उतारू हो गई। सूचना मिलते ही वजीराबाद, बुराड़ी और तिमारपुर थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने किसी तरह से भीड़ को वहां से हटाया और वाटिका में मौजूद लोगों को सुरक्षा के बीच बाहर निकाला। पूर इलाके में सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए। पुलिस ने भीड़ में शामिल कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी तक कार्यक्रम में शामिल 15 लोगों ने बयान दर्ज कराए हैं, लेकिन किसी ने धर्म परिवर्तन की बात नहीं कही है। वहीं, पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर कार्यक्रम में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है, ताकि उनके बयान भी लिए जा सकें। इसके अलावा पीसीआर कॉल करने वाले लोगों से भी लिखित शिकायत देने के लिए कहा गया है। पूरे घटनाक्रम पर पुलिस आयुक्त खुद नजर बनाए हुए हैं। जिला पुलिस इस पर एक रिपोर्ट बनाकर पुलिस आयुक्त को भेजेगी।

रामलीला मैदान में आज शिक्षकों की महारैली

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को शिक्षक पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर महारैली करेंगे, जिसमें हिस्सा लेने के लिए देशभर के शिक्षक जुटेंगे। नेशनल मूवमेंट फॉर न्यू पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के बैनर तले यह महारैली होगी। राजकीय विद्यालय शिक्षक संघ के महासचिव अजय वीर यादव ने कहा कि एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में रैली होगी। दिल्ली में 26 हजार शिक्षक नई पेंशन के दायरे में आते है, लेकिन हमारी मांग है कि उनके लिए पुरानी पेंशन की व्यवस्था को बहाल किया जाए। अलग-अलग राज्यों के शिक्षक पेंशन के मुद्दे पर अपनी एकजुटता दिखाएंगे।

खेत के पास सो रहे युवक को कार ने कुचला

नई दिल्ली। छावला इलाके में तेज रफ्तार कार चालक ने खेत के पास सो रहे युवक को कुचल दिया। इस दौरान युवक गाड़ी के नीचे फंस गया, जिससे गाड़ी जाम हो गई। आरोपी चालक ने युवक को निकालकर सड़क किनारे छोड़ दिया और फरार हो गया। वहां युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 26 वर्षीय बहादुर परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के एटा जिले में रहता था। वह 25 दिन पहले बड़े भाई रोहन के घर छावला में आया था। रोहन का बेटा अमनीश छावला में फल बेचने का काम करता है। 22 वर्षीय अमनीश ने बताया कि उसके चाचा कई दिनों से एटा जाने के लिए बोल रहे थे। 27 सितंबर की सुबह वह कहीं चले गए, जिसके बाद उन्हें लगा कि वह एटा चले गए। अगले दिन उनके जानकारों ने बताया कि तुम्हारा चाचा खेत में है और घायल है। अमनीश अपने माता-पिता के साथ खेत में पहुंचा। वहां बहादुर मृत अवस्था में पड़ा था। पुलिस ने घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी की जांच की तो पता लगा कि 27 सितंबर की शाम को करीब 5-40 बजे बहादुर खेत के पास आया और वहां बैठ गया। कुछ देर बाद बहादुर वहीं लेट गया। करीब 5-55 बजे सफेद रंग की तेज रफ्तार कार आई और बहादुर को कुचल दिया। पुलिस ने अमनीश के बयान पर केस दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसे में मौत के 26 दिन बाद केस दर्ज

नई दिल्ली। हर्ष विहार इलाके में 31 अगस्त को एक व्यक्ति की अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने 27 सितंबर को केस दर्ज किया है। शख्स के परिजन चार सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराने थाने गए थे, लेकिन उन्हें बताया गया कि जी-20 सम्मेलन को लेकर एसएचओ की ड्यूटी लगी है, इसलिए कुछ दिन बाद आना। मंडोली इलाके में रहने वाले राजकुमार ने बताया कि 31 अगस्त को उनके ससुर ओमवीर सिंह बैंक से रुपये निकालने गए थे।

मुठभेड़ों में पुलिस की नहीं मिली है गलतियां, निष्पक्ष जांच के लिए कोई कसर नहीं छोड़ा- यूपी सरकार

नई दिल्ली। श्रीजी एक्सप्रेस

पुलिस की हिरासत में माफिया व बाहुबली नेता अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हुई हत्या सहित राज्य में हुए अन्य मुठभेडों की निष्पक्ष व स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में स्थिति रिपोर्ट पेश किया है। यूपी सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया है कि पुलिस हिरासत में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की घटना की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस हिरासत में हुई हत्या सहित राज्य में 2017 के बाद हुए 183 मुठभेड़ों की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका के जवाब में यह स्थिति रिपोर्ट पेश की है। जस्टिस एस. आर. भट की अगुवाई वाली पीठ ने यूपी सरकार से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था।

अतीक अहमद की बहन ने भी शीर्ष अदालत में याचिका दाखिल कर अपने भाई की हत्या की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

उत्तर प्रदेश पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के एडीजी अमिताभ यश की ओर से अधिवक्ता रूचिरा गोयल ने शीर्ष अदालत में यह स्थिति रिपोर्ट पेश की है। इसमें कहा गया याचिकाकर्ता ने याचिका में जिन 7 मुठभेड़ों का जिक्र किया गया है, जांच के बाद उनमें से किसी भी मामले में पुलिस की कोई खामी नजर नहीं है। इन मुठभेड़ों में कानपुर के बिकरू कांड के विकास दुबे और उसके सहयोगियों की मौत, असद अहमद, मो. गुलाम के अलावा अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की मौत भी शामिल है। यूपी के प्रयागराज में 15 अप्रैल की रात तीन हमलवारों ने उस वक्त अतीक और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब उन्हें पुलिस सुरक्षा में मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाते समय मीडिया से बात कर रहे थे।

सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल याचिका में पुलिस हिरासत में अतीक और अशरफ की हत्या के अलावा, प्रदेश में 2017 के बाद हुए 183 मुठभेड़ों की भी जांच कराने की मांग की है।

अधिवक्ता तिवारी ने उत्तर प्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा हाल में दिए गए उस बयान को जांच की मांग के लिए आधार बनाया है, जिसमें कहा गया था कि उसने (पुलिस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली सरकार के छह साल में मुठभेड़ों में 183 कथित अपराधियों को मार गिराया, जिनमें अतीक अहमद का बेटा असद और उसका साथी भी शामिल हैं। इसके अलावा याचिका में अतीक और अशरफ की हत्या की जांच करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत न्यायाधीश की अगुवाई में एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई है। याचिका में पुलिस हिरासत में बदमाशों द्वारा अतीक व उसके भाई अशरफ की हत्या का हवाला देते हुए कहा गया है कि 'पुलिस का ऐसा कृत्य लोकतंत्र तथा कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा है और यह ?समाज को कानून की राज के बजाए पुलिस राज की ओर ले जाता है। अधिवक्ता तिवारी ने याचिका में कहा है कि 'लोकतांत्रिक समाज में पुलिस को अंतिम निर्णय सुनाने का जरिया या सजा देने वाला प्राधिकरण बनने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने याचिका में कहा है कि दंड देने का अधिकार सिर्फ न्यायपालिका के पास है और किसी के पास नहीं।

जांच में कोई कसर नहीं, होगी निष्पक्ष सुनवाई

शीर्ष अदालत को बताया गया है कि पुलिस हिरातस में अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्या मामले की 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जांच कर रही है। साथ ही कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ा गया और पुलिस मामलों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन कर रही है।

स्थिति रिपोर्ट में उन आरोपों को आधारहीन कहा गया है, जिनमें कहा गया था कि मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है। शीर्ष अदालत को बताया कि मामले में जांच के बाद संबंधित अदालत में आरोपपत्र दाखिल कर दिया गया। साथ ही कहा गया है कि पुलिस हिरासत में अतीक औ उसके भाई की हत्या करने आए तीनों आरोपी फर्जी आधार कार्ड के जरिए होटल में ठहरा था। शीर्ष न्यायालय को भरोसा दिया कि मामले की निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस की कोई गलती नहीं मिली।

स्थिति रिपोर्ट में कहा गया है कि अशद अहमद, मोहम्मद गुलाम के मुठभेड़ के मामले की भी जांच पूरी हो गई। न्यायालय को बताया गया कि 2 सितंबर को पूरी हुई मजिस्ट्रेट की जांच में इस मुठभेड़ में पुलिस की कोई गलती सामने नहीं आई है। शीर्ष न्यायालय को यह भी बताया गया कि पूर्व न्यायाधीश राजीव लोचन मेहरोत्रा की अगुवाई में गठित न्यायिक आयोग भी उस मुठभेड़ की जांच कर रही है, जिसमें अशद की मौत हो गई।

बिकरू कांड में पुलिस की गलती नहीं

शीर्ष अदालत में पेश अपनी रिपोर्ट में यूपी सरकार ने कहा है कि कानपुर के बिकरू प्रकरण में विकास दुबे और उसके सहयोगियों के की मुठभेड़ मामले की जांच पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी.एस. चौहान की अध्यक्षता वाली आयोग ने की।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच आयोग ने अप्रैल, 2021 में पेश अपनी रिपोर्ट में बिकरू कांड में विकास दुबे के सहयोगियों की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत में पुलिस की कोई गलती नहीं मिली और पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को स्वीकार भी कर लिया। बिकरू कांड के बाद गिरफ्तार विकास दुबे की मौत, उस वक्त वाहन पलटने से हो गई थी, जब उसे मध्य प्रदेश से यूपी लाया जा रहा था।

पंजाबी सेवा समिति द्वारा शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित-देओल

बल्लबगढ़। सुनील कुमार जांगड़ा(श्रीजी एक्सप्रेस)।

हरियाणा प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स फेडरेशन के हरियाणा प्रदेश महासचिव गुरमीत सिंह देओल ने बताया कि पंजाबी सेवा समिति द्वारा शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जी के जन्म दिवस को समर्पित 9वां विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन शनिवार, 30 सितंबर को चावला कॉलोनी बल्लबगढ़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में 285 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ, शिविर में मंत्री जी के बड़े भाई पण्डित टिप्पर चंद शर्मा ने शिरकत की। उन्होंने रक्तदाताओं का मनोबल बढ़ाया। समिति के प्रधान प्रेम खट्टर, मुख्य संरक्षक बसंत विरमानी, चेयरमैन श्यामलाल छाबड़ा, वरिष्ठ उप प्रधान रोशन लाल डुडेजा ने पण्डित टीपर चंद शर्मा का बुक्का भेंट कर स्वागत किया।

भाजपा नेता टीपर चंद शर्मा ने कहा कि, रक्त की एक-एक बूंद किसी की जिंदगी बचा सकती है। रक्त की कमी से किसी की जान ना जाएं इसी उद्देश्य से पंजाबी सेवा समिति बल्लबगढ़ हर वर्ष विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन करती है। क्योंकि थैलेसीमिया रोगियों को निरंतर रक्त की जरूरत पड़ती है। उन्हें समय पर रक्त मिलता रहे, उन्होंने सभी रक्तदाताओं का भी आभार प्रकट किया, सभी रक्तदाताओं को सम्मान स्वरूप में कंबल एवं मैडल से सम्मानित किया गया। शिविर में बादशाह खान ब्लड बैंक एवं रोटरी ब्लड बैंक की टीम ने हिस्सा लिया। मुख्य संरक्षक बसंत विरमानी ने सभी गणमान्य लोगों का धन्यवाद किया और यह आश्वासन दिया कि, पंजाबी सेवा समिति सामाजिक कार्यों में अपना योगदान निरंतर देती रहेगी। महासचिव ज्योति छाबड़ा के अनुसार पंजाबी सेवा समिति द्वारा आर्य समाज, चावला कॉलोनी में धर्मार्थ क्लिनिक भी चलाया हुआ है। जहां निशुल्क विशेषज्ञ चिकित्सको द्वारा चिकित्सा परामर्श एवं रोगियों को निशुल्क दवाइयां भी दी जाती है। समिति द्वारा सर्दियों में कंबल एवम गर्म वस्त्रों का वितरण हर साल किया जाता है। शिविर में सीमा, राज विरमानी, शोभा, मंजू हंस, रोमिता, पूर्व पार्षद राव राम कुमार, राकेश गुर्जर, दीपक चौधरी, दीपक यादव, भगवान दास गोयल, रोटेरियन लव विज, राकेश विरमानी,विनोद गोस्वामी, लखन बेनीवाल, प्रेम परसीजा, आर. डी. गुप्ता, मनोज गोयल एवं शहर के अनेक लोग उपस्थित थे। कैंप में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सरिता, सरोज, रोमिता, कनिका, जतिन, साहिल अश्वनी, परवीन, श्याम, गौरव सपरा, गुरमीत सिंह देओल ने रक्तदान किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश सपरा, वीरेंद्र मनचंदा, विजय विरमानी, दयानंद विरमानी, संजय हंस, समिती के संरक्षक सोहनलाल कथूरिया, अशोक सेठी, देशराज हंस एवम, रमेश चंद छाबड़ा, अशोक हंस, सुरेंद्र हंस मौजूद रहे। अशोक गोसाई, विजय आर्य, सुनील हंस, अशोक कलरा, श्याम, पवन, हरीश, राज गांधी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में वंश विरमानी, पवन, शिवम, जतिन, शैलेंद्र, अशोक ,जानवी, पूजा, नताशा, पूनम इन सभी ने स्वैच्छिक सेवा भी दी।

सेवानिवृत्ति होने पर प्रधान करण सिंह नंबरदार का ग्राम वासियों ने किया भव्य स्वागत

महिलाओं और ग्रामवासियों ने फूलों और नोटों की माला के साथ पगड़ी पहनाकर किया स्वागत

बल्लबगढ़। सुनील कुमार जांगड़ा(श्रीजी एक्सप्रेस)।

टीकम सेह कंपनी मे अपनी नौकरी का कार्यकार्य पूर्ण करने पर झारसेंतली निवासी पूर्व यूनियन प्रधान करण सिंह नंबरदार ने कहा कि यह एक ऐसा अवसर है जहाँ व्यक्ति को बोलने के लिए शब्दों की कमी पड़ जाती है क्योंकि इस समय मन में मिश्रित भावनाएं उमड़ती है। उस समय दोनों खुशी के पल और दुखद क्षण व्यक्ति की आँखों के सामने छा जाते हैं। सेवानिवृत्ति विदाई समारोह का आयोजन कर ग्राम वासियों के बीच खुशी बांटी और कहा कि परमपिता परमात्मा की कृपा से अपनी कंपनी में कार्यकाल बहुत ही सम्मानजनक रहा उन्होंने सभी कम्पनी कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ अपने खट्टे मीठे अनुभव समझा किए और विदाई समारोह में दिए मान सम्मान के लिए सभी का तहेदिल से धन्यवाद किया और उन्होंने कहा कि यह कंपनी उनके जीवन के अनेक वर्षों के संघर्ष का केंद्र रही ।हमेशा कंपनी व साथी कर्मचारियों की बेहतरी के बारे में सोचा । और सभी पूरी नौकरी में काफी सम्मान दिया अब आगे जो भी समाज में जिमेदारी मिलेगी वह भी बखूबी निभाऊंगा।आज हम सबने यहां बहुत ही खास, कड़वे तथा मीठे पलों का जिक्र किया । इस भव्य रिटायरमेंट समारोह का हिस्सा बनने के लिए इकट्ठे हुए हैं सभी ग्रामवासी व गण्यमान्य सज्जनों का धन्यवाद किया आपको बता दें कि विदाई समारोह में सभी के लिए भोजन की अच्छी व्यवस्था थी आसपास के सभी गांव की सरदारी मित्र रिश्तेदारों ने भारी संख्या में इस समारोह में प्रसाद ग्रहण किया । आपको बता दें कि कंपनी मे अपना कार्यकाल पूर्ण करने पर यूनियन के पूर्व प्रधान करण सिंह नंबरदार अपने गांव झारसैंटली के सामूहिक भवन में गाड़ियों के काफिले के साथ ढोल नगाड़ों और गाजे बाजे के साथ पहुंचे जहां पर ग्राम वासियों ने उनका भव्य स्वागत किया और सामुदायिक भवन पहुंचने पर महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जहां पर महिलाओं और ग्राम वासियों ने फूलों और नोटों की माला पहनाकर और टीका लगाकर उनका स्वागत किया गांव में एक उत्सव की भांति लोगों की भीड़ देखने को मिली जहां पर बच्चे महिलाएं बुजुर्ग नौजवान भारी संख्या में शामिल थे जोर शोर से अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। जिसमें कंपनी के अधिकारी राजनीतिक सामाजिक शिक्षक विभिन्न क्षेत्रों से संगठन और उनके साथियों, परिजनों ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई पंडित टिप्पर चंद शर्मा.पूर्व विधायिका कुमारी शारदा राठौर.सुरेंद्र तेवतिया. राजवीर तेवतिया.संजय डागर. जितेंद्र आर्य.रविंद्र फौजदार. परवीन डागर विधायक.जगन डागर.सिमरन डागर.श्याम डागर.लाला राम डागर. किशन लाल पहलवान. देशराज नंबरदार.धन सिंह डागर.केसर डागर.दीपक डागर.हरिचंद भगत जी.सूबे सिंह मान.डॉक्टर समय सिंह के अलावा टीकम सेह कंपनी के प्रधान विजय शर्मा.पूर्व प्रधान चंद्रपाल.मनोज कुमार.सतीश कुमार.सुशील.मिश्रा जी.सत्येंद्र कुमार के अलावा ग्रामवासी भारी संख्या में शामिल थे।

मृत्यु पूर्व दिए बयान को संदेहास्पद बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दहेज हत्या के मामले में पति को किया बरी

नई दिल्ली(श्रीजी एक्सप्रेस)। सर्वोच्च न्यायालय ने दहेज हत्या के मामले में मृतक महिला द्वारा मृत्यु पूर्व दिए गए बयान को संदेहास्पद बताते हुए दोषी व्यक्ति (पति) को बरी कर दिया। इसके साथ ही, शीर्ष न्यायालय ने इसके साथ ही कहा है कि जब आरोपी को दोषी ठहराने और सजा देने के लिए एक मात्र आधार मृतक द्वारा मरने से पहले दिया गया बयान ही एक मात्रा आधार हो तो यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि उक्त बयान (मृत्यु पूर्व बयान) भरोसेमंद और विश्वसनीय हो।

जस्टिस बीआर गवई, पीएस नरसिम्हा और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ अपील पर विचार करते हुए फुले सिंह को बरी कर दिया। पीठ ने उच्च न्यायालय के फैसले पर आश्चर्य भी जताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह कैसे संभव है कि मृत्यु पूर्व दिए गए बयान एक आरोपी के लिए भरोसेमंद है, जबकि दूसरे के लिए संदेहास्पद। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने मृतक महिला के ससुर जोरा सिंह के मामले मृत्यु पूर्व दिए गए बयान को अविश्वनीय बताया है, जबकि उसके पति फुले सिंह के मामले में भरोसेमंद माना है। पीठ ने कहा है कि तथ्यों और साक्ष्यों के जाहिर होता है कि मृत्यु पूर्व दिया गया बयान संदेह से मुक्त नहीं है।

शीर्ष अदालत ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले को रद्द करने हुए यह आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील पर विचार करते हुए मृतक महिला के पति को दोषी ठहराने और 7 साल कैद की सजा सुनाने के फैसले को सही ठहराया था, जबकि उसके ससुर को बरी कर दिया था।

एसपी डॉ.अंशु सिंगला के निर्देशन के तहत हथियारों के बल पर जानलेवा हमला मामले में गदपुरी पुलिस ने दूसरे आरोपी पर कसा शिकंजा

पलवल। सुनील कुमार जांगड़ा(श्रीजी एक्सप्रेस)।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादियान द्वारा कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ0 अंशु सिंगला, पुलिस अधीक्षक पलवल के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है इसी कड़ी में गदपुरी थाना पुलिस ने हथियारों के बल पर जानलेवा हमला तथा गाड़ी में तोड़फोड़ मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी से वारदात में प्रयुक्त देसी कट्टा तथा मोटरसाइकिल बरामद कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

गदपुरी थाना प्रभारी निरीक्षक राजवीर सिंह के मुताबिक मामले में दिनांक 13 जनवरी 2023 को गांव धतीर के रहने वाले मोमेश ने शिकायत दर्ज करवाई है कि वह अपने साथी सुमित, संदीप, मुकुल गर्ग, कपिल व नीरज के साथ गांव में बनी जिम के ऊपर छत पर बैठा हुआ था। उसके साथी संदीप की स्कॉर्पियो गाड़ी जिम के सामने खड़ी हुई थी। शाम के करीब साढ़े सात बजे बिना नंबर की बाइकों पर गांव धतीर का ही रहने वाला कुमरपाल, सुमित, रिंकू और अन्य चार पांच युवक आए। युवकों ने अपने मुंह पर कपड़ा बंधा हुआ था। आरोपितों अपने हाथों में देसी कट्टा, पिस्टल, लाठी-डंडे व कुल्हाड़ी ली हुई थी। आरोपितों ने आते ही संदीप की गाड़ी को लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से तोड़ दिया। गाड़ी पर देसी कट्टे से फायरिंग की गई। शोर सुनकर वह नीचे आए तो आरोपितों ने जान से मारने की नियत से उनके ऊपर भी फायरिंग कर दी। झगड़े का शोर सुनकर मौके पर ग्रामीण एकत्रित हो गए। इसके बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। गांव धतीर स्थित जिम में बैठे दोस्तों पर फायरिंग करने करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में तीन नामजद व अन्य के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तत्परता से कार्य करते हुए वारदात में शामिल आरोपी कुमरपाल को दिनांक 14 जनवरी 2023 को ही गिरफ्तार करते हुए उस वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद कर जेल भेज दिया। प्रभारी थाना ने आगे बताया कि थाना अंतर्गत चौकी धतीर प्रभारी सहायक उप निरीक्षक यासिर के नेतृत्व में गठित आगामी जांच इकाई ने वारदात में फरार चल रहे दूसरे आरोपी को गत दिनांक 27 सितंबर 2023 को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान गांव धतीर निवासी रिंकू उर्फ लेखराज के रूप में हुई है। आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर वारदात में प्रयुक्त देसी कट्टा तथा मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी को रिमांड अवधि उपरांत पेश अदालत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में फरार चल रहे आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरत में होंगे।

फोन सेटिंग के बहाने खाते से रकम उड़ाने वाला पकड़ा

नई दिल्ली। छोटे व्यापारियों और ठेली वालों के फोन में सेटिंग करने के बहाने खाते से रुपये निकालने के आरोपी को पुलिस ने पकड़ा है। आरोपी यूपीआई साउंडबॉक्स का किराया माफ करने के नाम पर धोखाधड़ी करता था। वह दिल्ली में 40 से ज्यादा व्यापारियों के लाखों रुपये ठग चुका है। उत्तर पूर्व जिला उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की के मुताबिक क्षेत्र में कुछ व्यापारियों के खाते से यूपीआई साउंड बॉक्स का किराया माफ करने के नाम पर ठगी की शिकायत मिली थी। आरोपी ने किराना दुकान चलाने वाले 61 वर्षीय बुजुर्ग राम सिंह के खाते से 35 हजार रुपये निकाल लिए थे। आरोपी ने एक छोले भटूरे वाले से 7400 रुपये, किराना विक्रेता से 39 हजार रुपये, महिला व्यापारी से 14500 रुपये और व्यापारी रोहित के एक लाख रुपये निकाल लिए थे। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि फर्जी पते पर खाते खोले गए हैं। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी का सहारा लिया और आरोपी को गाजियाबाद के भोपुरा से दबोच लिया। आरोपी नईम स्नातक पास है और तीन वर्ष पूर्व एक निजी बैंक में नौकरी करता था। उसे बैंकों की कार्यप्रणाली की जानकारी थी। इसलिए वह खुद को बैंक एजेंट बताकर छोटे व्यापारियों से मिलता और उनके यूपीआई साउंड बॉक्स का किराया माफ करने की जानकारी देकर उनका मोबाइल ले लेता था। इसके बाद यूपीआई सेटिंग ठीक करने के नाम पर मोबाइल से अपने खाते में रुपये स्थानांतरित कर लेता था। आरोपी ने बताया कि वह बीते छह-सात महीने से यह काम कर रहा था। उसने दिल्ली में 40 से ज्यादा व्यापारियों के खाते से लाखों की रकम निकाली है।

संपादकीय

अब अमेरिका को आईना!

जयशंकर ने ना सिर्फ कनाडा को सख्त संदेश दिया, बल्कि अमेरिका को भी आईना दिखाने की कोशिश की। जयशंकर के भाषण ऐसी कई बातें आईं, जो अक्सर आजकल चीनी राजनयिकों के भाषणों में सुनने को मिलती हैं। संयुक्त राष्ट्र में विदेश मंत्री एस जयशंकर के संबोधन का लब्बोलुआब संभवत- यह है कि भारत ने पश्चिमी देशों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जयशंकर ने वहां से ना सिर्फ कनाडा को सख्त संदेश दिया, बल्कि अमेरिका को भी आईना दिखाने की कोशिश की। जयशंकर के भाषण ऐसी कई बातें आईं, जो अक्सर आजकल चीनी राजनयिकों के भाषणों में सुनने को मिलती हैं। मसलन, उन्होंने कहा कि अब वह दौर चला गया, जब कुछ देश दुनिया का एजेंडा तय कर देते थे। साथ ही उन्होंने नियम आधारित विश्व व्यवस्था के अमेरिकी कथानक पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में अक्सर नियम आधारित विश्व व्यवस्था की बात आती है। संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र का भी उल्लेख किया जाता है। लेकिन असल में कुछ ही देश हैं, जो एजेंडा तय करते हैं और नियमों को परिभाषित करते हैं। जयशंकर ने कहा- यह अनिश्चितकाल तक चलते नहीं रह सकता। ना ही अब बिना किसी चुनौती के ऐसा चलता रहेगा। इसके साथ ही वैक्सीन भेदभाव, जयवायु परिवर्तन की ऐतिहासिक जिम्मेदारी और खाद्य एवं ऊर्जा को जरूरतमंद देशों के बजाय धनी देशों को भेजने के लिए बाजार की शक्ति के उपयोग का मुद्दा भी उठाया। ये वो तमाम बातें हैं, जिन पर धनी देशों का विकासशील देशों के साथ पुराना टकराव रहा है। न्यूयॉर्क में हुए एक अन्य संवाद के दौरान जयशंकर ने कनाडा पर आतंकवाद की पनाहगाह होने का सीधा सीधा इल्जाम लगाया। ÷नियम बनाने वालों÷ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा प्रादेशिक अखंडता और अन्य देशो के आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप की नीति को अपनी सुविधा के अनुसार लागू नहीं किया जा सकता। जयशंकर के इन बयानों का मतलब फिलहाल तो यही निकाला जाएगा कि कनाडा की धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोप पर बचाव की मुद्रा में नहीं है। सरकार का बचाव की मुद्रा में ना आना राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना को पुष्ट करेगा। मगर इसके साथ ही यह प्रश्न भी है कि क्या साथ-साथ पश्चिम और चीन के गुट के साथ टकराव मोल लेना देश के दूरगामी हित मे है? आशा है, नीति निर्माताओं पर इस पर पर्याप्त विचार किया होगा।

पिटे नारों के सहारे!

ओबीसी ध्रुवीकरण की राजनीति का एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। गुजरे दशकों में भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर विशाल ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव का माहौल गरमा रहा है। वहां सत्ता के बड़े दावेदार अब खुद को प्रचार में झोंक रहे हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर वैचारिक दिवालियापन का शिकार होने और अर्बन नक्सल्स के हाथ में खेलने का आरोप लगाया। अर्बन नक्सल की बात एक नैरेटिव है, जिसके जरिए गुजरे कुछ वर्षों से भाजपा अपने विपक्षियों को घेरती रही है। इसलिए इस आरोप को नजरअंदाज किया जा सकता है। लेकिन जहां तक वैचारिक दिवालियेपन की बात है, तो कांग्रेस सहित तमाम विपक्ष के संदर्भ में कई बार यह बात दमदार लगती है। मोदी सरकार के साढ़े नौ वर्ष के शासनकाल में अगर विपक्षी पार्टियां जनता को यह नहीं बता पाई हैं कि उनका सकारात्मक एजेंडा क्या है, तो ऐसे आरोप अगर उन पर चिपकते दिखें, तो उसके लिए कौन जिम्मेदार है? कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने विदेश दौरों के समय कुछ नया चिंतन सामने रखते सुने जाते हैं। मगर देश लौटने के बाद वे बातें उनके शब्दकोश से कहीं गायब हो जाती हैं। यहां उन्हें लगता है कि जज्बाती मुद्दे ही चुनाव जीतने का फॉर्मूला हैं। इस सिलसिले में उनमें जातीय जनगणना और ओबीसी की उपेक्षा को लेकर प्रेम और जगा है। केंद्रीय सचिवों में सिर्फ तीन ओबीसी होने की बातें वे जनसभाओं में उस तरह कह रहे हैं, जैसे कि यह कोई नई जानकारी वो ढूंढ लाए हैं।उन्हें लगता होगा कि इससे ओबीसी जातियां कांग्रेस के पक्ष में गोलबंद हो जाएंगी। मगर दिक्कत यह है कि यह राजनीति दशक भर से ज्यादा पुरानी हो चुकी है। इस बीच भाजपा ने जातीय प्रतिनिधित्व की राजनीति इतनी कुशलता से की है कि दलित या ओबीसी की बड़ी आइडेंटिटी के आधार पर उस श्रेणी में आने वाली तमाम जातियों के ध्रुवीकरण की जमीन खिसक चुकी है। ऐसा नहीं होता, तो मंडलवादी पार्टियां आज दिग्भ्रमित और संघर्ष करती नज़र नहीं आतीं। जाहिर है, राहुल गांधी जिन नारों का सहारा ले रहे हैं, उनका एक्सपायरी डेट गुजर चुका है। उधर इस क्रम में यह भी संभव है कि राहुल गांधी के नारों से कांग्रेस के कुछ परंपरागत समर्थक बिदक जाएं।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को फिर सिर-आंखों पर बैठायेगी कांग्रेस!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

देश को आजाद कराने वाले स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों व सेनानियों को सम्मान देने की सर्वप्रथम पहल श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में उन्हें ताम्र पत्र सम्मान व पेंशन की शुरुआत करके की थी,हालांकि उससे पहले भी हरिद्वार में तिरंगा फैहराते हुए 14 अगस्त सन 1942 को शहीद हुए 17 वर्षीय ऋषिकुल आयुर्वेदिक कालेज के छात्र जगदीश प्रसाद वत्स को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू अपने आजादी के आंदोलन के जेल के साथी पंडित ताराचंद वत्स के कहने पर ग्राम खजुरी अकबरपुर जगदीश वत्स के पैतृक गांव आए थे और जगदीश वत्स की शहादत को देश के लिए वीरता का प्रमाण मानते हुए उनकी याद में विजय ट्राफी व वीरता प्रमाण पत्र स्वयं के हाथों से दिया था।

इसके बाद राजीव गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में भी उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी कांग्रेस प्रकोष्ठ बनाकर उसका राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी शीलभद्र याजी को व राष्ट्रीय संयोजक पंडित सुंदर लाल शर्मा को बनाकर स्वतंत्रता सेनानियों के उक्त सम्मान को बरकरार रखा था,इसका एक बड़ा कारण यह भी था कि स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके परिवार जन्मजात कांग्रेसी थे और देश के साथ साथ कांग्रेस के लिए जीते व कांग्रेस के लिए मरते थे।

जिसके परिणाम स्वरूप राजीव गांधी को संसद में आज तक का सबसे ज़्यादा बम्पर बहुमत प्राप्त हुआ था। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी की शहादत के बाद कांग्रेस देश के स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों के प्रति उदासीन होती चली गई,इसी के साथ कांग्रेस का भी ग्राफ़ गिरता गया। हालत यह हो गई कि न तो स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों की कोई सुध लेने वाला रहा और न ही कांग्रेस स्वयं को सत्ताच्युत होने से बचा पाई। जिसका फायदा उस भाजपा ने उठाया जो स्वतंत्रता आंदोलन में कभी मुख्य भूमिका में रही ही नही। तभी तो भाजपा की सरकारों ने आजादी के इन सिपाहियों से ज़्यादा तरजीह लोकतंत्र सेनानियों को दी ,जो श्रीमती इंदिरा गांधी शासनकाल में आपातकाल के दौरान जेल गए थे। उत्तराखंड में तो उत्तराखंड राज्य आंदोलन कारी भी लोकतंत्र सेनानियों की अपेक्षा दोयम दर्जे के होकर रह गए। वह तो भला हो उत्तराखंड की तत्कालीन हरीश रावत सरकार का जिन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के उत्तराधिकारियों को न सिर्फ सम्मान पेंशन देने की ऐतिहासिक पहल की बल्कि उनके लिए रोडवेज की बसों में भी मुफ्त यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई गई। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्रता सेनानियों व उनके उत्तराधिकारियों की आजादी का अमृत महोत्सव होने के बाद भी उपेक्षा व अनदेखी की जाती रही। जिसका प्रतिवाद भी देश मे रह रहे कम से कम 2 करोड़ स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को करना पड़ा।

चूंकि स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों के डीएनए में कांग्रेस है,इसीलिए इन सेनानियों व उनके परिवारों को पुनः कांग्रेस से जोड़ने के लिए उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी कांग्रेस प्रकोष्ठ बनाकर उसके प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मुरली मनोहर व प्रदेश महासचिव पद की जिम्मेदारी अवधेश पंत को सौंपी है। इस प्रकोष्ठ की पहली बैठक में हरिद्वार में हुई जिसमें प्रदेश भर से आए(

गुजरात से सेमीकंडक्टर उद्योग का आगाज

माइक्रोन का संयंत्र अन्य राज्यों के लिए बनेगा पथप्रदर्शक, खुलेंग अवसर के नए द्वार

राजीव चंद्रशेखर

गुजरात स्थित साणंद में सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास कर भारत ने इस महीने एक और इतिहास रचा है। अरसे से सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने का सपना अब साकार होने जा रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबल एवं निर्णायक नेतृत्व को जाता है। उनकी अगुवाई में केंद्र सरकार ने विगत करीब साढ़े नौ साल के दौरान अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनमें भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने का निर्णय एक युगांतकारी कदम है। इससे देश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसर के नए द्वार खुलेंगे और डिजिटल अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी। विश्व को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से काम करने की नसीहत देने वाला भारत आज दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों के लिए एक भरोसेमंद रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदार बनकर उभरा है। भारत की प्रौद्योगिकी समर्थित-प्रगति विकासशील देशों के लिए प्रेरक बन गई है। जबकि अत्याधुनिक व उन्नत प्रौद्योगिकी लैस विकसित देश भारत के साथ साझेदारी के अवसर तलाश रहे हैं। महज एक दशक पहले भारत से विदेशी निवेशक पलायन कर रहे थे आज यह देश उनके लिए निवेश का पसंदीदा ठिकाना बन गया है। कोविड की विषम परिस्थितियों से सक्षमतापूर्वक निपटने और आर्थिक गतिविधियों दोबारा पटरी पर लाने में भारत ने जो तत्परता दिखाई वह पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। महामारी के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत के आर्थिक विकास की तीव्र रफ्तार सबसे बड़ी वजह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्थाई सरकार, जो साहसिक फैसले लेती है। गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग के संयंत्र की स्थापना मोदी सरकार की इस महीने की एक और बड़ी उपलब्धि है। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी अमेरिकी कंपनी माइक्रोन द्वारा गुजरात के साणंद में अपना पहला संयंत्र के लिए 23 सितंबर को भूमि-पूजन किये जाने साथ भारत ने सेमीकंडक्टर के अपने सफर का आगाज किया। इसके दो दिन पहले 21 सितंबर को संसद ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाले विधेयक पर मुहर लगाकर देश की आधी आबादी की दशकों से लंबित मांग पूरी की। नये भारत की नवीन परिकल्पना और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नव निर्मित संसद भवन में प्रवेश हमारे लिए एक सुनहरा पल था। इस नये संसद भवन में विशेष सत्र के दौरान पहले विधेयक के रूप में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित करवाकर मोदी सरकार ने वाकई इतिहास रचा है। इससे पहले 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिल्पकारों के देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती पर देश के कारीगरों व शिल्पकारों के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किया, जिससे 18 पारंपरिक व्यवसायों को नया जीवन मिलेगा। यह संयोग है कि नये भारत के

शिल्पकार आदरणीय मोदी का भी जन्म-दिन 17 सितंबर ही है। इस महीने के आरंभ में देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से स्वीकृत नई दिल्ली घोषणा-पत्र में अभूतपूर्व फैसले लिए गए। शिखर-सम्मेलन में हिस्सा लेने आए राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके शासन-व्यवस्था को सरल व पारदर्शी बनाने और नागरिकों को सशक्त करने की पहलों की खूब सराहना की। भारत ने 2025-26 तक देश की जीडीपी में डिजिटल अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी 20 फीसदी से अधिक करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में सेमीकंडक्टर का अहम स्थान है। आज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले चिप का भारत आयात करता है, लेकिन जब देश में चिप बनने लगेंगे तो आयात पर निर्भरता घटेगी। इस तरह सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास से देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को गति मिलेगी। हालांकि माइक्रोन के सेमीकंडक्टर संयंत्र का निर्माण अभी भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की विकास यात्रा का महज आरंभ है। लेकिन यह शुरुआत भी जिस अंदाज के साथ हुई है उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत बहुत कम समय में सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब 22 महीने पहले दिसंबर 2021 में 10 अरब डॉलर की राशि के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को मंजूरी दी थी, जो भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक व्यापक दशकीय रोडमैप है। इस 10 साल में महज 10 अरब डॉलर की राशि से हमने जितना हासिल करने का लक्ष्य रखा है उतना चीन 200 अरब डॉलर खर्च करके 30 साल में भी नहीं कर पाया है। हमारा मकसद भारत को वैश्विक मानचित्र पर ऐसे सेमीकंडक्टर राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है जो न सिर्फ अपनी घरेलू जरूरतों की पूर्ति करेगा बल्कि दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला में अहम योगदान करेगा। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रोन ने भारत में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा के महज तीन महीने बाद यहां संयंत्र निर्माण का काम शुरू कर दिया है। साणंद में जीआईडीसी-2 औद्योगिक क्षेत्र स्थित करीब 93 एकड़ के क्षेत्र कंपनी अपनी असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) केंद्र का निर्माण करेगी जिसे तैयार होने में करीब 18 महीने लग सकता है। बहरहाल, माइक्रोन पास में 10 एकड़ के परिसर स्थित एक फैक्टरी का अधिग्रहण करके पाइलट के तौर पर उसे अपनी एटीएमपी सुविधा के रूप में तैयार कर रही है। माइक्रोन ने अपने पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 2.75 अरब रहने की घोषणा की थी जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 50 फीसदी प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य सरकारी की सब्सिडी भी शामिल है। निवेश की इस राशि से करीब 5000 नई प्रत्यक्ष और 15,000 सामुदायिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में माइक्रोन का यह संयंत्र भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे अन्य प्रांतों को भी ऐसी क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अनुकूल इकोसिस्टम तैयार करने की नसीहत मिलेगी। प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी करीब 13 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। उस दौरान उन्होंने राज्य के औद्योगिकी विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र और जरूरी बुनियादी सुविधाएं तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया। नतीजतन, विदेशी निवेशकों के लिए गुजरात निवेश का एक आकर्षक ठिकाना बन गया है। दुनिया के देश भारत को ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं। विश्व की दिग्गज कंपनियां भारतीय युवाओं की मेधा शक्ति और कौशल के कायल हैं। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के विकास से आने वाले दिनों में देश के युवाओं के लिए अवसर के अनेक दरवाजे खुलने वाले हैं जिससे देश की अर्थव्यवस्था का तेसे विस्तार होगा और भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को जल्द ही हासिल करेगा।

(लेखक केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री हैं।)

न्यायपालिका का सकारात्मक हस्तक्षेप

अजीत द्विवेदी

सर्वोच्च अदालत ने विधायिका की शुचिता को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा सकारात्मक हस्तक्षेप किया है। सुप्रीम कोर्ट ने तय किया है कि चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात सदस्यों की एक संविधान पीठ इस बात पर विचार करेगी कि सदन के अंदर रिश्वत लेने पर सांसद या विधायक को मुकदमे से मिलने वाली छूट जारी रहनी चाहिए या उसे खत्म कर दिया जाए? यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है, जो राजनीति की नैतिकता से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों को मिली छूट को बरकरार रखा था। पांच जजों की बेंच ने 1998 में अपना फैसला सुनाया था और पिछले 25 साल से यह नजीर है। अब सात जजों की बेंच इस फैसले पर पुनर्विचार करेगी। यह एक संयोग है कि जिस विवाद के बाद पांच जजों की बेंच ने इस सवाल पर विचार किया था और जिस विवाद के बाद अब सात जजों की बेंच इसी सवाल पर फिर से विचार करेगी वो दोनों विवाद झारखंड मुक्ति मोर्चा से जुड़े हैं। पहला मामला 1993 का है, जब केंद्र की पीवी नरसिंह राव सरकार को बचाने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक शिबू सोरेन सहित पांच सांसदों ने कथित तौर पर रिश्वत ली थी। इस मामले में सर्वोच्च अदालत ने सांसदों को मिले संसदीय विशेषाधिकार का हवाला देकर उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। यह फैसला 1998 में आया था और पिछले 25 साल से इसे संवैधानिक प्रावधानों के साथ मिला कर देखा जाता है। दूसरा मामला, जिसके बाद सात जजों की संविधान पीठ बनाई गई है, झारखंड मुक्ति मोर्चा की विधायक सीता सोरेन का है। आरोप है कि जामा विधानसभा सीट की विधायक के तौर पर उन्होंने 2012 में राज्यसभा चुनाव में एक खास उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के लिए पैसे लिए थे। जब इस मामले की सीबीआई जांच की मांग हुई तब सीता सोरेन ने सुप्रीम कोर्ट के 1998 के फैसले का हवाला दिया था और कहा था कि सांसदों और विधायकों को सदन के अंदर किए गए किसी भी काम या भाषण के लिए आपराधिक मुकदमे से छूट मिली हुई है। तभी से यह मामला विचारधीन है और 2019 में तब के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने इसे व्यापक प्रभाव और सार्वजनिक महत्व का बताते हुए पांच जजों की बेंच के सामने भेजा था। अब चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने भी कहा है कि यह राजनीतिक नैतिकता पर प्रभाव डालने वाला महत्वपूर्ण मुद्दा है इसलिए इस पर बड़ी बेंच को सुनवाई करना चाहिए। इसके बाद सात जजों की बेंच का गठन कर दिया गया। इस मसले पर सात जजों की संविधान पीठ का विचार करना एक नए दौर की शुरुआत का संकेत है। यह स्पष्ट रूप से विधायिका के अधिकारों में न्यायपालिका का हस्तक्षेप है तभी केंद्र सरकार की ओर से देश के सबसे बड़े कानून अधिकारी वेंकटरमणी ने इसका विरोध किया। इस मामले में संवैधानिक स्थिति चाहे जो हो सार्वजनिक जीवन से जुड़ी नैतिकता की कसौटी पर यह सही नहीं है। किसी भी प्रावधान के तहत किसी सांसद या विधायक को रिश्वत लेने की छूट कैसे दी जा सकती है? वैचारिक विचलन का मामला अलग है लेकिन रिश्वत लेना तो विशुद्ध रूप से भ्रष्टाचार का मामला है, जिसे अगर विधायिका के अंदर छूट दी गई तो बाहर कैसे साफ-सुथरा शासन, प्रशासन सुनिश्चित किया जा सकेगा? तर्क के लिए कहा जा सकता है कि केंद्र की मनमोहन सिंह की सरकार के समय कई सांसदों पर पैसे लेकर सवाल पूछने का आरोप लगा था। एक स्टिंग ऑपरेशन की वीडियो में कई सांसद प्रश्न पूछने के लिए पैसे लेते दिखाए गए थे और संसद ने उनकी सबकी सदस्यता खत्म कर दी थी। लेकिन रिश्वत लेने के आरोप में सदस्यता समाप्त करना और आगे उनके चुनाव लडने पर रोक नहीं लगाना कोई सजा नहीं है। एक लोक सेवक को रिश्वत लेने के आरोप में जो सजा होती है वह सजा होनी चाहिए। तभी आम सरकारी सेवकों के लिए नजीर बनेगी। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की यह पहल एक सकारात्मक हस्तक्षेप है। अगर अदालत सुनवाई के दौरान इसका दायरा बढ़ाए और सांसदों व विधायकों को आपराधिक अभियोजन से मिली छूट के सभी पहलुओं पर विचार करे तो ज्यादा बेहतर होगा। ऐसा इसलिए जरूरी लगता है क्योंकि नए संसद भवन के पहले सत्र में ही भाजपा के एक सांसद ने बहुजन समाज पार्टी के एक सांसद के ऊपर बेहद आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियां कीं। उनको भी संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत किसी भी आपराधिक अभियोजन से छूट मिली हुई है। सात जजों की संविधान पीठ को इस मसले पर भी विचार करना चाहिए। रिश्वत का मामला निश्चित रूप से ज्याद महत्वपूर्ण है लेकिन सांसदों का आचरण भी कम अहम नहीं है। उन्होंने एक धर्म विशेष के सांसद के लिए जैसे विशेषणों का इस्तेमाल किया है अगर उसके लिए उनके ऊपर कार्रवाई नहीं होती है तो इससे समाज में ऐसे विशेषणों के इस्तेमाल को स्वीकृति मिलेगी, जो देश की सामाजिक संरचना के लिए ठीक नहीं है। इसलिए रिश्वत के साथ साथ दूसरे मसलों पर विचार किया जाना चाहिए। इस मामले में जरूरी यह है कि देश की सरकार और विधायिका दोनों इसे सकारात्मक तरीके से लें और इसे न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका और विधायिका का मुद्दा न बनाएं। ध्यान रहे पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के स्पीकर को निर्देश दिया था कि शिव सेना के विधायकों की अयोग्यता के मामले में जल्दी फैसला करें तो उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि वे न जल्दी फैसला करेंगे और न देरी करेंगे। सोचें, सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को इस मामले में फैसला सुनाया था और विधायकों की अयोग्यता का मामला स्पीकर पर छोड़ा था। अदालत ने संवैधानिक प्रावधानों का बराबर ख्याल रखा लेकिन स्पीकर ने क्या किया? उन्होंने चार महीने तक इस पर कोई सुनवाई नहीं की।

जुड़ेंगे नहीं, तो जीतेंगे कैसे

'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया'ज्यह नारा विपक्षी गठबंधन के आपसी रिश्तों और मजबूत गठबंधन को परिभाषित करना चाहिए, लेकिन सटीक नहीं बैठता। यह महज एक जुमला-सा लगता है, क्योंकि गठबंधन के घटकों की हकीकत में गंभीर विरोधाभास हैं। ताजातरीन घटनाक्रम पंजाब का है। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने दावा किया कि सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के 32 विधायक उनके संपर्क में हैं। कांग्रेस सभी 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। यदि हमारी सरकार बनी, तो 2 महीने में ही 'आप' की सरकार गिर जाएगी। यह राजनीतिक बयान हो सकता है, लेकिन गठबंधन का आभास तक नहीं होता। यह भाषा परम दुश्मन राजनीतिक दल की है। बवाल तब गंभीर हुआ, जब पंजाब के कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा को नशीले पदार्थ और हथियारों की तस्करी के एक पुराने मामले में गिरफ्तार किया गया। यह 2015 का केस है। गिरफ्तार होते ही कांग्रेस ने कपड़े फाडने शुरू कर दिए और राज्यपाल से मुलाकात कर न्याय की गुहार लगाई। दिल्ली में कांग्रेस नेता उदित राज ने यहां तक बयान दे दिया कि चूंकि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उत्पीडन किया जा रहा है, लिहाजा कांग्रेस 'आप' के साथ गठबंधन नहीं करेगी। इस बयान का शीर्ष स्तर ने खंडन तक नहीं किया। तो फिर यह गठबंधन कैसा है? ऐसे राजनीतिक विवाद सूबे-सूबे जारी हैं, लिहाजा 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता और लामबंदी लगातार सवालिया रही है। 'राजधर्म' और 'राजनीतिक धर्म' के तर्क दिए जाते हैं कि पार्टी और सरकार की भूमिकाएं अलग-अलग हैं, लेकिन ये राजनीतिक तर्क नहीं, बयान भर हैं। 'आप' के संयोजक केजरीवाल ने यह स्पष्ट किया है कि 'आप' विपक्ष के गठबंधन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम गठबंधन धर्म निभाएंगे, लेकिन पंजाब में नशे को खत्म करने को भी हम प्रतिबद्ध हैं। इस संदर्भ में किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा। केजरीवाल गोलमोल कर गठबंधन पर बात कर रहे हैं। पंजाब के अलावा राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को खूब गरियाया है। उन राज्यों में 'आप' विधानसभा चुनाव लडने के भी मूड में है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस ने अपने लोकसभा नेता अधीर रंजन चौधरी को निरंकुश छोड़ रखा है।

न्यायपालिका को अपने अधीन करना चाहती है सरकार?

सनत जैन

सर्वोच्च न्यायालय में हरियाणा सरकार द्वारा एक याचिका दायर की गई थी। जिसमें हरियाणा सरकार ने यह मांग की थी, कि सिविल जजों की नियुक्ति पीएससी के माध्यम से हरियाणा सरकार कराए। इसमें न्यायपालिका का कोई हस्तक्षेप ना हो। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए आई। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति पारदीवाला की खंडपीठ के समक्ष इसकी सुनवाई हुई, और इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार के बीच में हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के जजों की नियुक्ति को लेकर पिछले कई वर्षों से मतभेद देखने को मिल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा जिन नाम की अनुशंसा की जाती है। उसके अनुसार सरकार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों की नियुक्ति ना कर अनुशंसा को रोक लेती है। जिसके कारण कई बार सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच में तनातनी देखने को मिली है। संविधान के अनुसार न्यायपालिका को पूरी तरह से स्वतंत्र रखा गया है। विधायिका और कार्यपालिका के निर्णय की समीक्षा करने का अधिकार न्यायपालिका को दिया गया है। संविधान के मूलभूत सिद्धांतों के अनुसार विधायिका को कानून बनाने की शक्तियां दी गई है। कार्यपालिका को कानून और नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी संविधान ने सौंपी है। कार्यपालिका और विधायिका के कामों और कानून के संबंध में न्यायपालिका के निर्णय को सर्वोच्चता देने का काम संविधान ने किया है। पिछले कई वर्षों से केंद्र सरकार और न्यायपालिका के बीच में न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर टकराव देखने को मिल रहा है। कॉलेजियम की अनुशंसाओं को कई महीने तक सरकार रोक कर रखती है। जबकि वर्तमान में नियम है, कि यदि सरकार को कॉलेजियम की अनुशंसा पसंद नहीं है, तो वह अपनी आपत्ति के साथ सर्वोच्च न्यायालय को वापस भेजेगा। सर्वोच्च न्यायालय उस आपत्ति पर विचार करके पुनः अनुशंसा करेगी। उस पर तुरंत सरकार को आदेश पारित करने का प्रावधान है। पिछले कुछ माह में कई ऐसे मामले आए हैं। जब सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और अनुशंसा को केन्द्र सरकार ने पूरी तरह से नजर अंदाज कर दिया। अब यह मामला केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच से निकलकर राज्य सरकारों तक पहुंच रहा है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की एक हिसाब से अवहेलना करते हुए, महाराष्ट्र विधानसभा के विधानसभा अध्यक्ष ने अभी तक दल बदल करने वाले विधायकों के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया। चार माह बाद सुनवाई शुरू करने की बात, तब शुरू हुई जब सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई। इसी तरह हरियाणा सरकार जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका का हस्तक्षेप नहीं चाहती है। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से यह भी कहा है, कि विधानसभा अध्यक्ष का निर्णय न्यायपालिका के अधीन नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष जो भी निर्णय देंगे, वह सर्वोच्च होगा। न्यायपालिका को जिस तरह से केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से समय-समय पर चुनौती मिल रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के आदेशों और निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को सरकार द्वारा विवादित बनाया जा रहा है। यह स्थिति न्यायपालिका को कमजोर कर रही है। न्याय यदि समय पर नहीं होता है, तो वह एक तरीके से अन्याय ही माना जाता है। सतय पर न्याय नहीं होने से भ्रष्टाचार और अनैतिकता ही बढ़ती है। यही अनैतिक्ता महाराष्ट्र में होते हुए दिख रही है। राज्य सरकारें भी अब केन्द्र सरकार के रास्ते पर चल पडी हैं। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार संविधान में तीनों के अधिकार बिल्कुल अलग-अलग हैं। न्यायपालिका की सर्वोच्चता संविधान के अंतर्गत है। वह केंद्र या राज्य सरकारों के अधीन काम नहीं करती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को मनाना सरकारों की बाध्यता है। यदि सरकार उनके आदेशों को नहीं मानती है। तो न्यायालयों को सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। न्यायपालिका स्पष्ट निर्णय नहीं होते हैं। जिसके कारण न्याय पालिका की साख दिनों-दिन घटती जा रही है

संक्षेप खबर

वक्फ दरगाह आलिया नजफे-ए-हिंद जोगीपुरा प्रबंध/कमेटी/समिति का 1 वर्ष कार्यकाल बढ़ाया गया

नजीबाबाद इरफान अंसारी । इरम अली ज़ैदी अध्यक्ष दरगाह आलिया नजफे हिन्द जोगीपुरा नजीबाबाद ने वार्ता कर बताया की श्री अली ज़ैदी माननीय अध्यक्ष जी व माननीय बोर्ड सदस्यगण ऊ0प्र0 शिया सेंट्रल वक़्फ़ बोर्ड लखनऊ ने बोर्ड बैठक निर्णय दिनांक 29/09/2023 को वक़्फ दरगाह आलिया नज़फे हिंद जोगीपुरा बिजनौर की प्रबंध/कमेटी/समिति के द्वारा ज़ायरीन हज़रत व वक्फ हित में कराए गए विकास कार्यों को देखते हुए वक्फ दरगाह आलिया नजफे-ए-हिंद जोगीपुरा प्रबंध/कमेटी/समिति का 1 वर्ष कार्यकाल बढ़ाया गया है इरम अली ने बताया की कमेटी ज़ायरीन हज़रात की खिदमत के लिए बेहतर से बेहतर कार्य कर रही है। और आगे भी करती रहेगी जिससे कि किसी जायरीन को भी असुविधा का सामना ना हो कोई जायरीन कोई भी कमी किसी भी कमेटी के मेंबर को बताता है उसको तुरंत दूर करने का। काम किया जाएगा कमेटी हमेशा जायरी नो की सेवा में हमेशा तत्व पर है।

युवती ने गांव के चार दबंगो पर रेप का लगाया आरोप

इंसाफ न मिलने से दरबदर की ठोकरे खा रही युवती

संवादाता इरफान अंसारी नजीबाबाद। मंडावली थाना क्षेत्र के ग्राम हुकूमतपुर केशो की रहने वाली नाबालिक युवती अंजली ने गांव के चार दबंगो पर रेप का आरोप लगाया है। जिसका अपराध संख्या 228/2023, धारा 376 आईपीसी व 3/4 पॉक्सो एक्ट में दर्ज किया है। अंजलि ने बताया कि गाँव के ही चार अभियुक्त सुन्दर, सचिन,गौरव,व निकुल ने उसके साथ दिनांक 03/09/2023 को दिन में 3ः बजे उसके साथ बलात्कार किया था। जिसकी तहरीर उसी दिन मंडावली थाने में दी गई थी। अंजली ने मंडावली थानाध्यक्ष पर मुल्जिमान से हमसाज होकर घटना को 04/09/2023. की साबित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस आरोपीयो को बचाने की कोशिश कर रही जबकि चार में से एक पर ही कार्यवाही की गई है बाकी तीन दबंगो पर पुलिस मेहरबान है और पीढ़ित परिजनों पर घटना को 04/09/2023 की बताने का दबाव बना रही है। जबकि पीड़ित के माननीय न्यायालय में बयान भी हो चुके हैं इसके बावजूद विवेचक उक्त बयानों की अनदेखी कर रहे हैं इस संबंध में प्रार्थिनी ने पुलिस अधीक्षक बिजनौर व डीआईजी मुरादाबाद को भी प्रार्थना पत्र दे चुकी है। पीड़ित का आरोप है कि मंडावली थाना प्रभारी मुलजिमान को बचाने के लिए तरह-तरह के नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। जिससे प्रार्थिनी व परिजनों को थाना मंडावली पुलिस से इंसाफ न मिलने की उम्मीद दिखाई दे रही है। न्याय हित में वाद उपरोक्त की निष्पक्ष विवेचना किसी अन्य थाने के सक्षम अधिकारी से कराए जाने की मांग की है।

अपर जिला जज ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

कासगंज। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज की अनुमति से अपर जिला जज /सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज अभय प्रताप सिंह द्वारा शनिवार को जिला कारागार, कासगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज द्वारा जेल अधीक्षक जिला कारागार, कासगंज से वर्तमान में जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों की अद्यतन स्थिति के संबंध में जानकारी लेते हुये जेल में निरुद्ध बंदियों से कारागार में खाने-पीने व स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा की तथा कारागारों की बैरिंगों में जाकर वार्ता के उपरान्त बंदियों द्वारा कोई नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी गयी, साथ ही जेल अधीक्षक जिला कारागार, कासगंज को जेल में निरुद्ध बंदियों दैनिक भोजन के विवरण के संबंध में जानकारी लेते हुये बंदियों से पूँछा गया कि मानक में दर्शाये गये विवरण के अनुसार भोजन मिलता है अथवा नहीं जिसपर कोई भी नकारात्मक गतिविध नहीं मिली। इसके अतिरिक्त सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज द्वारा बंदियों से वार्ता करने पर उनके अधिवक्ता के होने के संबंध में वार्ता की गयी जिस पर अन्य जेलों से आये दो बंदियों द्वारा जनपद, कासगंज में विचाराधीन मामले में निःशुल्क अधिवक्ता हेतु मांग की गयी। सचिव द्वारा जिला कारागार में निरुद्ध बंदियों को योगा/मेडीटेशन के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी साथ ही यह भी बताया कि मानसिक विकृतियों को दूर करने के लिये योग बहुत महत्वपूर्ण उपाय है। प्राधिकरण की सचिव द्वारा बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु जानकारी प्रदान की गयी। बंदियों को स्वस्थ रहने हेतु अपने दैनिक जीवन में प्रतिदिन योगा अभ्यास करने हेतु प्रोत्साहित भी किया और बताया कि शारीरिक व्यायाम से मानसिक विकृति एवं शारीरिक विकृति दोनों में अनेक फायदे मिलते हैं। जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं पर भी बंदियों द्वारा कोई अपत्ति नहीं जताई गयी। इसके अतिरिक्त अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज के निर्देशन में विवेक कुमार डीईओ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कासगंज द्वारा जिला कारागार, कासगंज में नामित जेल पीएलवी को नालसा पोर्टल पर विधिक सहायता चाहने वाले बंदियों के प्रार्थना पत्रों को एवं अन्य किसी भी विधिक सहायता से संबंधित प्रार्थना पत्र के अनुसार डाटा को अपलोड करने के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

गैर इरादतन हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 1 अभियुक्त गिरफ्तार

सिकंदराराऊ। थाना सिकंदराराऊ पुलिस द्वारा गैर इरादतन हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक हाथरस के आदेशानुसार वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सिकन्द्राराऊ के निकट पर्यवेक्षण में थाना सिकन्द्राराऊ पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए गैर इरादतन हत्या के मुकदमे से सम्बन्धित अभियुक्त भुजवीर पुत्र भवानी निवासी ग्राम महमूदपुर नगला ढ़क थाना सिकन्दराराऊ जनपद हाथरस को गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्त की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

हर्षोल्लास के साथ निकला बारह वफात जुलूस

सासनी। कस्बा में मिलादुन्नबी बारावफात के पाक मौके को मुस्लिम समाज के लोगों बडी ही खुशी के साथ मनाया। मेला इन्तजामिया कमेटी द्वारा जुलूस में ई-रिक्शा, ऊंट, व अन्य वाहनों को शामिल किया। मोहल्ला जाटवान के लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। वहीं जगह-जगह शीतल जल की प्याऊ भी लगाई गई। शनिवार को सुबह दस बजे से मेले की तैयारी जोरों से शुरू कर दी गई। मोहल्ला कस्साबान स्थित इमाम बाड़े पर मुस्लिम समाज के लोग इकट्ठे होने लगे कुछ लोग ऊंट पर सवार थे तो कुछ लोग ई-रिक्शा पर सवार होकर मेले में शामिल हुए। आशा नगर, रामलीला रोड, कन्या इंटर कॉलेज मार्ग, आगरा अलीगढ़ रोड, कमला बाजार, गांधी चैक, अयोध्या चैक, मोहल्ला जाटवान से गुजरते इस जुलूस का लोगों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

स्वच्छता ही सेवा के अन्तर्गत ' महासफाई अभियान को सफल बनाये जाने हेतु बैठक आयोजित

हाथरस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आहवान पर एक अक्टूबर को पूरे देश में सुबह 10:00 बजे एक घंटे का श्रमदान कर साफ-सफाई कर, महात्मा गॉधी को स्वच्छान्जलि देने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद के टाउन हाल में एक बैठक नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गयी।

जिसमें स्वच्छता ही सेवा अभियान के अन्तर्गत 'एक तारीख एक घंटा' कार्यक्रम के तहत वृहद रूप से जन सहभागिता द्वारा श्रमदान कर महासफाई अभियान को सफल बनाये जाने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। जिसमें एक तारीख एक घंटा का कार्यक्रम के अन्तर्गत 1 अक्टूबर को प्रातः 10:00 बजे सफाई कार्यक्रम आयोजित किये जाने की प्रक्रिया हेतु झाडू, कटर, थैला, बिन आदि सामिग्री की व्यवस्था करने, सफाई के उपरान्त एकत्रित कचरे के निस्तारण हेतु आवश्यक परिवहन की व्यवस्था करने तथा उक्त स्थान पर पुनः कूडा न एकत्रित होने देने की व्यवस्था करने आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित सभी लोगों को नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा स्वच्छता की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम कल सुबह दस बजे से स्वछता

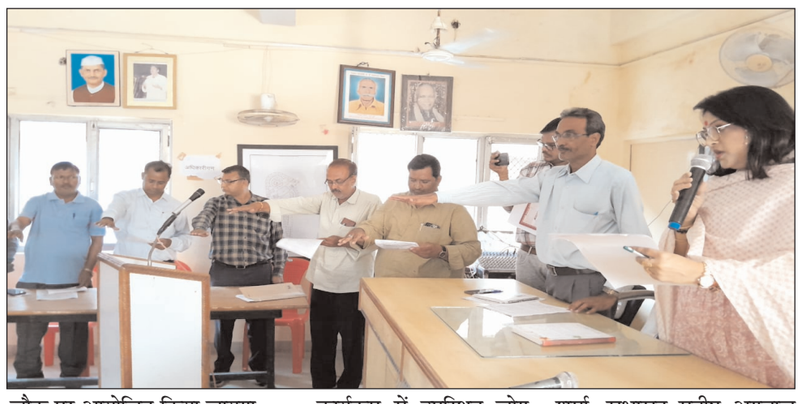

चौक पर आयोजित किया जायगा जहां से रैली प्रारम्भ होकर लेबर कॉलोनी पार्क तक जायेगी

कार्यक्रम में उपस्थित लोग सभासद सूरज माहौर , सभासद राकेशर भगत, सभासद अनुपमा शर्मा, सभासद मनीष अग्रवाल, सभासद सुन्द्रम शर्मा, सभासद अखिल चैधरी, सभासद रामजी लाल वर्मा, सभासद हिमांशू कौशिक, सभासद सुंद्रम शर्मा, सभासद अतुल चौधरी , सभासद रामजी लाल वर्मा, सभासद शाहरुख़ खॉन, सभासद सुनील कुशवाह, सभासद काव्य वार्ष्णेय , सभासद राघवेन्द्र चौधरी , मुख्य सफाई निरीक्षक अभिलाष रायकवार, डी0पी0एम0 मनीष अग्रवाल, कार्यालय अधीक्षक, विद्यासागर विकल्प, गोपाल चतुर्वेदी, सत्यवीर पहलवान, करनिरीक्षक रामकुमार, यशुराज शर्मा, सफाई निरीक्षक मुसाहीद हुसायन, सफाई निरीक्षक महेश वर्मा, सफाई निरीक्षक ओमप्रकाश, देवेश गौतम आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन युवा कवि राणा मुनि प्रताप के संयोजन में किया गया

हाथरस। मेला श्री दाऊजी महाराज के 112 में आयोजन में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन युवा कवि राणा मुनि प्रताप के संयोजन में किया गया। जिसकी अध्यक्षता सिकंदरा राव से पधारे प्रसिद्ध उद्योगपति जयपाल सिंह चौहान ने की। तथा संचालन संयोजक राणा मुनि प्रताप ने किया ।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सांसद प्रतिनिधि ठाकुर राजेश सिंह गुड्डू ,विशिष्ट अतिथि बृजभान सिंह एवं प्रसिद्ध समाजसेवी देवेंद्र सिंह राघव ने मां शारदे के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कवि सम्मेलन में छतरपुर से पधारे महाकवि श्री प्रकाश पटेरिया का नागरिक अभिनंदन किया गया ।

कासगंज से पधारे प्रसिद्ध गीतकार डॉक्टर अजय अटल की सरस्वती वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ गाजियाबाद से पधारे सुप्रसिद्ध कवि कमल आग्नेय ने पढ़ा कि चंद्रयान से आगे बढ़कर सूर्य का भारत है डर डर कर जीना छोड़

दिया ,यह स्वाभिमान का भारत है। दिल्ली से पधारे गीतकार ज्ञानेंद्र शुक्ल वत्सल ने पड़ा= कि अगर होते अलग यह रक्त केसरिया नहीं होता किसी के पास जाने का कोई जरिया नहीं होता लखनऊ से पधारे हास्य के प्रसिद्ध कवि शेखर त्रिपाठी ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को खूब गुदगुदा ते हुए कहा चैटिंग में एक सुंदरी पर दिल फिसल गया। मेरा ही दाव पेच था मुझ पर ही चल गया। महाकवि श्री प्रकाश पटेरिया को श्रोताओं ने लगातार कई घंटे तक सुना इनके अतिरिक्त चांद हुसैन चंद डॉक्टर उपेंद्र झा उन्नति भारद्वाज ,भगवान सहाय ने भी काव्य पाठ किया कवि सम्मेलन के निर्देशक देवेश सिसोदिया एवं संयोजक राणा मुनि प्रताप ने समस्त अतिथियों व कवियों का फूल माला अंग वस्त्र और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया अध्यक्षता कर रहे श्री जयपाल सिंह चौहान ने कहा कि कवि अपनी कविताओं के माध्यम से देश को जगाने का काम करते हैं अगर यह नहीं हो तो किसी भी देश को सही दिशा नहीं मिल सकती ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से योगेंद्र सिंह गहलोत मितेंद्र सिंह गहलोत जोगेंद्र सिंह तेजपाल कुशवाहा श्यामबाबू चिंतन नीरज कुमार प्रवीण पुरुष राजा ठाकुर दिग्विजय सिंह देवेंद्र सिंह कुलदीप मनमोहन जेके शर्मा नवीन कुमार पंडित हाथरसी गणपति गणेश देवी सिंह निडर प्रहलाद सिंह माधव चौहान पूरन सिंह आरके शर्मा आज लोक उपस्थित रहे।

यातायात को व्यवस्थित करायें, सड़कों पर जाम न लगे और दुर्घटनायें न हों-जिलाधिकारी

ब्लैक स्पॉट्स को जल्द ठीक करायें, दुर्घटना वाहुल्य क्षेत्रों में पूर्ण सतर्कता बरती जाये

कासगंज(श्रीजी एक्सप्रेस)। जिलाधिकारी सुधा वर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित के साथ जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुये कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि जिले में कहीं भी मुख्य मार्गों पर जाम न लगे और दुर्घटनायें न हों। यातायात को पूरी तरह व्यवस्थित किया जाये। जहां कहीं भी ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित हैं, उन्हें जल्द से जल्द ठीक करा दिया जाये। दुर्घटना वाहुल्य क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा से खराब सड़कें शीघ्रात्शीघ्र गड्ढामुक्त कराकर ठीक कराई जायें। मुख्य चैराहों पर 50 मीटर की दूरी तक नो पार्किंग जोन बनाया जाये। जिससे जाम की स्थिति से बचा जा सके। जलनिगम द्वारा यदि सड़कें काटकर पाइपलाइन डालने पर

तत्काल उन सड़कों को ठीक करा दिया जाये, जिससे आवागमन में आमजन को दिक्कत न हो और काम भी चलता रहे। जब तक सड़क ठीक न हो जाये सम्बंधित कार्यदायी संस्था को भुगतान नहीं किया जाये। बस स्टैण्ड पर बसों को सड़क पर आड़ा तिरछा न खड़ा किया जाये। बिलराम गेट चैराहे से विद्युत ट्रांसफार्मर अतिशीघ्र हटा दिया जाये। ताकि आम जनमानस को आवागमन में परेशानियों का सामना न करना पड़े। जो सड़कें किनारों पर कट गई हैं या क्षतिग्रस्त हो गई हैं उन्हें तत्काल ठीक कराया जाये। समस्त चिन्हित समस्त ब्लैक स्पॉट स्थलों पर सुधार हेतु शीघ्रता से कार्य पूर्ण कराया जाये। दुर्घटनाओं से बचाव के लिये हरसंभव उपाय किये जायें। वर्षा एवं बाढ़ से प्रभावित मार्गों को गड्ढामुक्त करने तथा मार्गों के किनारे की झाड़ियों आदि की सफाई कराई जाये। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत यातायात नियमों का पालन कराने के लिये प्रभावी कार्यवाही की जाये। खतरनाक ढंग से ड्राइविंग करने, रांग साइड गाड़ी चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग करने, शराब पीकर नशे की हालत में वाहन चलाने, ओवर स्पीड तथा मोडीफाइड साइलेंसरयुक्त वाहनों का प्रयोग करने पर प्रभावी कार्यवाही की जाये। युवाओं और छात्र छात्राओं को यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक

कुशवाहा शिविर में हुआ महिला सांस्कृतिक कार्यक्रम

हाथरस। मेला श्री दाऊ जी महाराज के प्रांगण में स्थित श्री कुशवाहा क्षत्रिय संघ शिविर में होने वाले कार्यक्रम महिला सांस्कृतिक के संयोजिका सुमन कुशवाहा पत्नी नाहरसिंह कुशवाहा, प्रॉपर्टी डीलर,सोमवती कुशवाहा, पत्नी उमेश कुमार कुशवाहा,आशा देवी कुशवाहा, नीलिमा रही कार्यक्रम का उद्घाटन हेमलता कुशवाहा,फीता काटकर,दीप प्रज्वलित कमलेश देवी कुशवाहा ने किया कार्यक्रम की अध्यक्षता केसरी देवी कुशवाहा, मुन्नी देवी रहे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रीता नरवारिया, विशिष्ट अतिथि पंकज कुशवाहा आकाशवाणी मथुरा, रूपम कुशवाहा अध्यापिका,बेबी कुशवाहा सभासद, रेखा कुशवाहा,रश्मि कुशवाहा, पिंकी शेखर कुशवाहा, सभी महिला को सम्मान में माला प्रतीक चिन्ह गिफ्ट देकर सम्म्मान किया सभी महिलाओं ने अपने-अपने संबोधन में अपनी बात रखी, आकाशवाणी की पंकज कुशवाहा ने अपनी मधुर आवाज से शिविर में बैठी महिलाओं को गदगद कर दिया, महिलाओं ने संबोधन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे भी दिए, और अपनी बेटियों को शिक्षा की।

आयुर्वेद चिकित्सा प्रभारी को दी सेवानिवृति पर भावभीनी विदाई

सासनी। श्रीजी एक्सप्रेस

सासनी-रूदायन मार्ग स्थित राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय प्रभारी डा. दिनेश कुमार सिंह का कार्यकाल पूरा होने के बाद शासकीय सेवा से तीस सितंबर को शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। जिसे लेकर चिकित्सालय में आयोजित विदाई समारोह के दौरान उनके उज्वल भविष्य की कामना के साथ भावभीनी विदाई दी गई।

शनिवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय के चिकित्सा प्रभारी डा. दिनेश कुमार सिंह के विदाई समरोह का संचालन मौजूदा चिकित्सा प्रभारी डा. मनोज कमल ने किया। वहीं वार्ड वॉय योगेन्द्र सिंह, जितेन्द्र कुमार, विशेष सिंह, गजेन्द्र सिंह, योगाचार्य सुमित कुमार सिंह, सहित तमाम लोगों ने डा. सिंह को पुष्पहार एवं अंगवस्त्र तथा प्रतीक चिन्ह आदि भेंटकर सम्मानित कर उनके उज्वल भवष्यि

की कामना की। कार्क्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि के रूप मे मौजूद आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्साधिकारी डा. नरेन्द्र कुमार सिंह ने धनवंतरि गुरू के छबिचित्र के सामने दीप जलाकर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। वहीं मुख्यातिथि ने कहा कि डा. सिंह सेवाकाल के दौरान अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से पालन किया। समय पर अपने कर्तव्य पर पहुंचना और मरीजों का उपचार सेवा भाव से करना इनकी विशेषता रही है। कहा कि डा. सिंह हमेशा ही मरीजों की सेवा के लिए उपलब्ध रहते थे। कहा इनकी कार्यशैली से हम सभी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। अपनी विदाई समारोह के दौरान डीके सिंह भी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मैं अपनी रिटायरमेंट के बाद की मेरी जिंदगी को एक तरह से अवकाश की स्थिति की तरह मान रहा हूँ, और आशा करता हूँ कि आप मुझे मेरे अवकाश के दौरान नहीं भुलाएंगे। इस यात्रा का एक हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद। आप सब मुझे बहुत याद आओगे, आपके द्वारा मेरे लिए इस तरह के महान शब्द सुनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। इतने दिनों तक साथी चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एक परिवार की तरह काम किया। सभी के सहयोग से मैंने अपने सेवाकाल को पूरा किया है। जो मेरे लिए जीवनभर यादगार रहेगा। अन्य वक्ताओं ने भी अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए डा. सिंह को भावभीनी विदाई दी। इस दौरान पवन कुमार, पाली, सुनील शर्मा, मनोज वार्ष्णेय, आबिद हुसैन, इरशाद खां, दुर्गेश गोस्वामी, नाहर सिंह कुशवाहा, मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

रोटरी क्लब रक्तदान शिविर में गांधी जंयती पर करेंगे रक्तदान

सासनी। रोटरी क्लब ऑफ सासनी पदाधिकारियों द्वारा नानऊ रोड स्थित एसबीएस यूनियन पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक दो अक्टूबर गांधी जयंती दिन सोमवार को लगाया जाएगा। जिसमें लोग स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे।शनिवार को यह जानकारी देते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष उत्तम वार्ष्णेय ने बताया कि रोटरी क्लब सदैव जनसेवा तथा समाज सेवा में तत्पर है। देश विदेश से पोलिया जैसी घातक बीमारी को जड़ से उखाड फेंकने का बीड़ा सर्वप्रथम रोटरी क्लब ने ही उठाया था और इस बीमारी को जड से समाप्त कर दिया। इसी प्रकार जन और समाज सेवा करते हुए रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर सुबह दस बजे से शाम तीन बजे तक लगेगा। जिसमें लोग स्वेच्छा से रक्तदान करेंगे। क्योंकि प्रत्येक रक्तदान जीवन का उपहार है रक्तदान कर किसी व्यक्ति को जीवन दे सकते है।

लाभार्थियों की जांच कराकर अधिक से अधिक पात्रों को योजना से लाभांवित करायें-जिलाधिकारी

24 नवम्बर को होगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम। शीघ्र करें आवेदन

कासगंज(श्रीजी एक्सप्रेस)। जिलाधिकारी सुधा वर्मा ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के क्रियान्वयन हेतु आयोजित बैठक में योजना की समीक्षा करते हुये कहा कि सभी लाभार्थियों की पात्रता की भलीभांति जांच कराकर अधिक से अधिक पात्रों को योजना से लाभांवित करायें। कोई भी पात्र योजना से वंचित नहीं रहना चाहिये। ध्यान रहे कोई भी आवेदनकर्ता जोड़ा पहले से शादीशुदा न हो। सरकार द्वारा गरीब कन्याओं के विवाह के लिये एक अनूठी योजना संचालित है। सरकार द्वारा प्रत्येक विवाह पर 51 हजार रूपये व्यय किये जाते हैं। जिसमें से 35 हजार रूपये लाभार्थी कन्या के बैंक खाते में जमा कराकर 10 हजार रूपये का गृहस्थी का सामान दिया जाता है

तथा 06 हजार रूपये कार्यक्रम आयोजन में खर्च करने का प्राविधान है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत पात्र जोड़ों के लिए आर्नलाइन पोर्टल शुरू किया गया। पात्र जोड़ों द्वारा अब आर्नलाइन पोर्टल पर ही आवेदन किया जायेगा। सभी ईओ एवं खण्ड विकास अधिकारी अपने क्षेत्र के समस्त पात्रों को इस योजना से लाभांवित कराना सुनिश्चित करें। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि योजना के अन्तर्गत आवेदक के परिवार की आय रूपये 2 लाख वार्षिक से कम होनी चाहिए।

विवाह हेतु आवेदन में पुत्री की आयु विवाह की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक एवं वर के लिए 21 वर्ष की आयु पूर्ण हो गयी हो। आयु की पुष्टि के लिए स्कूल शैक्षिक रिकार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड मान्य होंगे। अनुसूचित जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के आवेदकों को जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कन्या के दाम्पत्य जीवन की खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि रूपये 35 हजार कन्या के खाते में जमा की जाती है।

विवाह संस्कार के लिये रूपये 10 हजार का सामान भेंट स्वरूप एवं रूपये 6 हजार कार्यक्रम आयोजन हेतु भोजन पण्डाल, पेयजल विद्युत, प्रकाश एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर व्यय करने का प्राविधान है। अधिक जानकारी के लिए सम्बंधित नगरीय निकायों में ईओ तथा विकास खण्डों में सहायक विकास अधिकारी (स0क0) एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय विकास भवन कमरा नंबर 23 में संपर्क किया जा सकता है। बैठक में जिला विकास अधिकारी तथा सम्बंधित अधिकारी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा नगरीय निकायों के ईओ व उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रक्त जांच मशीन खराब कैसे हो सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रक्त जांच

सासनी। जहां सरकार लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए अरबों रूपये पानी की तरह बहा रही है। वहीं विभागीय अधिकारी और कर्मचारी सरकार की योजनाओं को पलीता लगाने में जुटे है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सासनी में रखी रक्तजांच मशीन कई माह से खराब पडी है, जिसकी वजह से लोगों को निजी पैथोलॉजी में अपने रक्त जांच करानी पड रही है। जो मजलूम और मजदूर वर्ग के लोगों को काफी मंहगी पड रही है। महीनों से पडी खराब मरीज परेशान हो रहे है। सासनी 30 सितंबर। एक और जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मचारी, चिकित्सक और फार्मासिस्ट आदि गांव-गांव जाकर शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य लाभ देने का दाबा करते हुए अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लगाई गई सीबीसी तथा अन्य जांच की मशीन काफी समय से खराब है। जिससे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर सीवीसी जांच नहीं हो पा रही है। मरीजों को जांच कराने के लिए निजी पैथोलॉजी पर भारी रकम चुकानी पड रही है। लोगों द्वारा इसकी शिकायत करने के बाद भी अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है। चिकित्सालय में दवा लेने आए लोगों का कहना है कि मजलूम और मजदूर वर्ग के लोग ही सरकारी चिकित्सालय में ज्यादतर दवा लेने आते हैं। निजी पैथोलॉजी पर रक्त जांच कराना उनके लिए काफी मंहगा हो जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में रखी मशीन यदि सही हो तो रक्त जांच के पैसे न देने पडें। वहीं कार्यवाहक एमओआइसी डा. अनन्त कुमार ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। एमओआइसी डा. दलवीर सिंह रावत छुट्टी पर है।

संक्षेप खबर

सबसे पहले मन व तन की सफाई जरुरी : कुलपति

अलीगढ़, (ब्यूरो)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित स्वच्छता पखबाड़े के अंतर्गत मंगलायतन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने कार्यक्रम अधिकारी स्वेता भारद्वाज के कुशल निर्देशन में विश्वविद्यालय के बाहर रोड व निकटवर्ती गांव में स्वच्छता ही सेवा संकल्प लेते हुए श्रमदान करके बापू को स्वच्छांजलि दी। अभियान के प्रारंभ में कुलपति प्रो. पीके दशोरा, प्रति कुलपति प्रो. सिद्दी विरेशम, कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह ने स्वयं सेवकों के साथ श्रमदान करके उनका उत्साहवर्धन किया।

कुलपति ने कहा कि सबसे पहले मन व तन की सफाई करो, फिर अपने परिवेश की सफाई करो। यदि आप मन की सफाई करना चूक गए तो यह सफाई का अभियान निरर्थक हो जाता है। कुलसचिव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में हम स्वच्छता पखबाड़ा मना रहे हैं। हमें स्वच्छता को अपने आचरण में शामिल करने के साथ दूसरों को भी इसके प्रति जागरुक करने का संदेश पहुंचना है। स्वच्छता पखबाड़े का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत के कुशल निर्देशन में किया जा रहा है। स्वच्छता अभियान में स्वयं सेवकों ने चिलचिलाती धूप को नजर अंदाज करते हुए पूरे मनोयोग से कार्य किया। स्वयंसेवकों के साथ संतोष शर्मा व रामू के नेतृत्व में सफाई कर्मियों ने अभियान में सहयोग किया। इस अवसर पर योगेश कौशिक, वीरी सिंह, शाहिद फरीदी, सरताज आदि थे। स्वयं सेवकों में दया शंकर, नंदनी, विशाल, शिवम, पारुल, प्रेरणा, प्रवीन, धर्मेंद्र आदि थे।

वासमती धान में 60 दिन तक प्रतिबन्धित रसायनों का न करें प्रयोग

अलीगढ़, (ब्यूरो)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी अमित जायसवाल ने बताया है कि प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के 30 जनपदों जिनमें अलीगढ भी शामिल है, में वासमती चावल में ट्राईसाइक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरपाइरीफास, हेक्साकोनोजोल, प्रोपिकोनाजोल, थायोमेथाक्साम, प्रोफेनोफास, इमिडाक्लोप्रिड एवं कार्वेण्डाजिम कीटनाशकों के सभी प्रकार के फार्मूलेशन की बिक्री, वितरण और प्रयोग को प्रतिशिद्ध किया गया है, ताकि गुणवतायुक्त वासमती चावल के निर्यात में वृद्धि की जा सकें।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त अनुसूची मे दिये गये कृषि रक्षा रसायनों के प्रयोग के कारण चावल के दानों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष स्तर (एमआरएल) से अधिक कीटनाशक अवशेषों का जोखिम है। खाद उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) भारत सरकार ने भी सूचित किया है कि यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका और खाडी देश जैसे आयातक देशों में कीटनाशकों के अधिकतम अवशेष स्तर के कड़े मानकों के कारण वासमती चावल के निर्यात को चुनौतियों का सामना करना पड रहा है। वर्ष 2020-21 की तुलना में वर्ष 2021-22 में वासमती चावल के निर्यात में 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। एपीडा ने उत्तर प्रदेश की विरासत वासमती उपज को बचाने और अन्य देशों को वासमती चावल के बाधा मुक्त निर्यात को सुनिश्चित करने के लिए इन कीटनाशकों पर पाबंदी लगाने का अनुरोध किया है। उन्होंने जनपद के समस्त कृषकों को सूचित किया है कि धान की फसल में कीट रोग नियंत्रण के लिए अधिसूचना के गजट में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 60 दिनों की अवधि में उपरोक्त प्रतिबंधित रसायनों का प्रयोग न किया जाए।

एएमयू के छह छात्रों को मिला प्लेसमेंट

अलीगढ़, (ब्यूरो)। अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट कार्यालय (सामान्य) द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से विश्वविद्यालय के वाणिज्य और प्रबंधन संकाय के छह छात्रों को एक गुरुग्राम स्थित मल्टी-स्पेशियलिटी कंपनी, सिल्वर स्किल्स द्वारा चययनित किया गया है। टीपीओ साद हमीद ने कहा कि चयनित छात्रों में भुवनेश कुमार (एमबीए-एफएम), नवीश अहमद (एमबीए), मोहम्मद यासिर खान (एमबीए), कनिका भट्टर (एम.कॉम), सुफियान उस्मानी (एम.कॉम) .) और कृष्णा वशिष्ठ (बी.कॉम.) शामिल हैं।

प्रो. नवाब ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में दिए व्याख्यान

अलीगढ़, (ब्यूरो)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर नवाब अली खान ने इंटीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ के वाणिज्य और व्यवसाय प्रबंधन विभाग और यूजीसी-एचआरडीसी के सहयोग से आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में भागीदारी की। अपने व्याख्यान में, प्रोफेसर खान ने उच्च शिक्षा में शैक्षिक नेतृत्व की भूमिका पर प्रकाश डाला और नवीन रणनीतियों, सर्वोत्तम प्रथाओं और अकादमिक नेतृत्व के सामने आने वाली चुनौतियों पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

कर्जा उतारने के लिए मैनेजर ने कराई थी लूट

अलीगढ़ में लोहा व्यापारी के ड्राइवर और मैनेजर के साथ 27 सितंबर को हुई थी वारदात, 4 गिरफ्तार

अलीगढ़, (ब्यूरो)। अलीगढ़ में लोहा व्यापारी के कर्मचारियों के साथ दिनदहाड़े हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लोहा व्यापारी के मैनेजर ने ही अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की सारी साजिश रची थी। आरोपी खुद भी पीड़ित बन गया था, जिससे कि उसके ऊपर संदेह न हो।

लेकिन, लोहा व्यापारी को मैनेजर के ऊपर संदेह था, जिसके चलते पुलिस सारे मामले की गहनता से जांच कर रही थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी मैनेजर और उसका साथ देने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से घटना में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक, तमंचा और लूटे गए रुपए बरामद हो गए हैं।

27 को हुई थी कर्मचारियों से लूट

क्वार्सी थाना क्षेत्र निवासी लोहा व्यापारी गौरव गोदानी ने 27 सितंबर को थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि उनका ड्राइवर अभिषेक और मैनेजर उनका पेमेंट लेकर लौट रहे थे। इस दौरान अज्ञात बदमाशों ने उन्हें

तमंचा दिखाकर रुपए लूट लिए।

व्यापारी ने बताया कि उनका मैनेजर और ड्राइवर अक्सर उनके व्यापार से जुड़ी पेमेंट लाते थे। 27 सितंबर को भी वह पेमेंट लेकर आ रहे थे, इसी दौरान अवंतिका फेस-2 में उनके पीछे से आ रहे बदमाशों ने घटना को अंजाम दे दिया और वहां से फरार हो गए। इसमें व्यापारी ने अपने मैनेजर पर मिली भगत का भी संदेह जताया था।

सीसीटीवी में नजर आए थे बदमाश :

घटना के बाद पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई थी। जिसमें सीसीटीवी के आधार पर पुलिस ने बाइक और बदमाशों की पहचान की। जिसके बाद मैनेजर के मिले होने की बात भी सामने आई। पुलिस ने मैनेजर से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने सारी सच्चाई पुलिस को बता दी।

जिसके बाद पुलिस ने आरोपी मैनेजर सुमित, उसका साथ देने वाले महबूब पुत्र जैनुद्दीन निवासी निशातबाग चिलकोरा, शाहिद निवासी निशातबाग चिलकोरा रोड थाना क्वार्सी, सूफियान पुत्र शहरूद्दीन निवासी रजानगर गली नंबर-3 थाना क्वार्सी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

मैनेजर ने कर्जा उतारने के लिए रची कहानी

सीओ प्रथम अशोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी मैनेजर से पूछताछ में उसने बताया कि उसके ऊपर काफी कर्जा था और लोग लगातार उसके ऊपर रुपए के लिए दबाव बना रहे थे। इसी कारण उसने अपने साथी सूफियान के साथ मिलकर प्लानिंग की और लूट की कहानी सच दी। दोनों की योजना के तहत उनके दो अन्य साथी आरोपी शाहिद और महबूब ने इस घटना को अंजाम दिया था।

वहीं पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और इन्हें न्यायालय में पेश करके जेल भेजा जाएगा। कार्रवाई करने वाली टीम में एसआई महेश कुमार त्यागी, एसआई संदीप कुमार, कॉन्स्टेबल सुखपेंद्र कुमार, रजत त्यागी, मुरारी लाल, शुभम सैनी शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने प्लास्टिक शवयात्रा को दिखाई हरी झंडी

प्लास्टिक का उपयोग ना करने की दिलाई शपथ

अलीगढ़, (ब्यूरो)। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत कलक्ट्रेट से सिंगल यूज प्लास्टिक शवयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अलीगढ़ में विशेष कार्यक्रम संचालित किया जा रहे हैं। इसके लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि प्लास्टिक को अपने जीवन से हटा सकें। इसके लिए ग्रामीण क्षेत्र में दो एवं शहरी इलाके के लिए एक बड़ा संसाधन केंद्र बनाया गया है। यहां एकत्रित प्लास्टिक की रिसाइकलिंग की जाती है। डीएम ने कहा कि प्लास्टिक मुक्त ग्राम, शहर, प्रदेश और भारत बनाने का यह स्थाई इलाज नहीं है, बल्कि हमें प्लास्टिक का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद करना होगा।

उन्होंने कहा कि प्लास्टिक का विनिर्माण, परिवहन, भंडारण एवं उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। जन जागरूकता के अभाव में, लोगों में चेतना ना होने के कारण एवं प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी न होने के कारण पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाली सिंगल यूज प्लास्टिक का लोगों के द्वारा प्रयोग किया जा रहा है, जिसे हमें हर हाल में बंद करना होगा।

डीपीआरओ ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़े में प्रत्येक ग्राम पंचायत से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करने की शपथ कराकर प्लास्टिक मुक्त पंचायत अभियान चलाया गया है।

सड़क हादसे में व्यक्ति की मौत

अलीगढ़/पलवल, (ब्यूरो)। हरियाणा के पलवल में अलीगढ़ रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की दुर्घटना में लगी चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के जीजा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

चांदहट थाना प्रभारी कैलाशचंद भड़ाना के अनुसार, चांदहट गांव निवासी भवीचंद ने दी शिकायत में कहा है कि उसका साला जिला अलीगढ़ (यूपी) के खंडेडा गांव निवासी प्रेमचंद अपनी बाइक पर अपने गांव जा रहा था। जब उसकी बाइक पलवल-अलीगढ़ रोड पर चांदहट थाना क्षेत्र में पहुंची तो किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से घायल हुए प्रेमचंद

को राहगीरों ने इलाज के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचा दिया। डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए दिल्ली स्थित ट्रॉमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। प्रेमचंद को वे इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर सरफदरजंग अस्पताल दिल्ली ले गए। वहां प्रेमचंद की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया।

किन्नर मताधिकार के प्रति हो रहा जागरूक

वैशाली किन्नर ने डीएम से मुलाकात कर जानी मतदाता पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया

अलीगढ़, (ब्यूरो)। कभी तीसरी दुनियां समझा जाने वाला किन्नर समाज भी अब अपने अधिकारों और दायित्वों के प्रति जागरूक हो रहा है। जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किन्नर समाज के व्यक्तियों के लिए मताधिकार करने का प्राविधान किया गया है, किन्नर समाज में एक नई चेतना आई है। उनके भीतर भी यह भाव पैदा हुआ है कि वह भी इस देश और समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और भारत कि अन्य नागरिकों की तरह उनके भी अपने कर्तव्य और दायित्व हैं।

सन्निकट 2024 आम चुनावों में अपने समाज की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसी

ही एक जागरूक किन्नर वैशाली ने शनिवार को जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह से उनके समाज के सभी व्यक्तियों के मतदाता पहचान पत्र बनाए जाने के विषय में वार्ता की। जिलाधिकारी ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के माध्यम से किन्नर समाज के सभी व्यक्तियों के पहचान पत्र बनाए गये हैं, इस पहचान पत्र के आधार पर ही जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा आपका मतदाता पहचान पत्र बड़ी सुगमता से बन सकता है। जिलाधिकारी ने आग्रह किया कि अभी भी किन्नर समाज के जो व्यक्ति समाज कल्याण विभाग से अपना पहचान पत्र नहीं बनवा पाए हैं वह जल्द से जल्द विकास भवन स्थित जिला समाज कल्याण अधिकारी के माध्यम से बनवा लें, ताकि उनके मतदाता पहचान पत्र के साथ ही अन्य प्रपत्र सुगमता से बन सकें।

वैशाली किन्नर ने कहा कि वह समाज के अन्य व्यक्तियों को पहचान पत्र एवं मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए जागरूक करेंगी और समाज के शत-प्रतिशत व्यक्तियों का मतदाता पहचान पत्र बनवाते हुए उनका मतदान भी सुनिश्चित कराएंगी।

जिला न्यायाधीश अस्पताल का निरीक्षण कर कैदियों से किया संवाद

अलीगढ़, (ब्यूरो)। त्रैमासिक निरीक्षण के अनुक्रम में शनिवार को जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं सीजेएम द्वारा जिला जेल का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर ताला असेंबलिंग प्रशिक्षण केंद्र का फीता काटकर लोकार्पण भी किया गया।

जिला जज एवं अन्य अधिकारी निरीक्षण के दौरान पाकशाला पहुंचे, जहां खाने की गुणवत्ता की जांच की। महिला बैरक में संचालित विद्यालय में नवीन एलईडी टीवी का रिमोट बटन दबाकर लोकार्पण किया। विद्यार्थी बच्चों को उपहार भी प्रदान किए। जिला जेल निरीक्षण के उपरान्त

अधिकारियों द्वारा जिला पंचायत परिसर स्थित पहुँच किशोर न्याय बोर्ड का भी निरीक्षण किया गया।

उत्तर प्रदेश शासन की व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक 3 माह में जेल का निरीक्षण किए जाने का प्राविधान है। शनिवार को अधिकारियों द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। जिला न्यायाधीश संजीव कुमार, जिला मजिस्ट्रेट इन्द्र विक्रम सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी, सीजेएम अरविंद वर्मा ने जिला जेल पहुंच कैदियों से उनका हाल जाना। जिला जज ने कतार में खड़े कैदियों के मध्य स्वयं आवाज लगाते हुए पूछा कि यदि किसी कैदी को किसी प्रकार की समस्या या शिकायत है तो वह उन्हें बता सकता है। उन्होंने कैदियों से संवाद कर कहा कि यदि किसी कैदी को निःशुल्क विधिक राय या वकील की आवश्यकता है तो वह भी बता सकता है। इस दौरान कई कैदियों ने जिला जज के सम्मुख अपनी बात को भी रखा। अस्पताल का निरीक्षण कर भर्ती कैदियों से संवाद कर स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए समुचित इलाज के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर जेल अधीक्षक ब्रजेन्द्र कुमार सिंह, जेलर कमलेंद्र प्रताप सिंह, सीएमओ डा. नीरज त्यागी, डा. अभिषेक गुप्ता भी उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का समापन

अलीगढ़, (ब्यूरो)। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडी द्वारा 'भारतीय पुरातत्व में हालिया रुझान' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार समापन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर गुलफिशां खान ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए विद्वानों ने भारतीय पुरातत्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें क्षेत्रीय पुरातात्विक स्थलों की खोज, शहरों और ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण, कलाकृतियों की रिकॉर्डिंग और पुरावशेष, रॉक कला, प्रतीकों और अनुष्ठानों की निरंतरता, सिक्का-आधारित मानचित्रण, आदि शामिल है।

हाइब्रिड मोड में आयोजित पांच तकनीकी सत्रों के दौरान शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले विद्वानों में डॉ. तोसाबंता पधान डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह (बीएचयू), प्रोफेसर जे.एन. शामिल थे। पाल (पूर्व प्रमुख, प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विभाग), डॉ. डी.पी. शर्मा, प्रो. अब्दुर्रहीम के. और डॉ. सुवैद, डॉ. बनानी भट्टाचार्य, प्रो. कैमरून ए. पेट्री, डॉ. एडम एस. ग्रीन और डॉ. जहरा मोरादघोली (ईरान) शामिल थे।

इस अवसर पर एक क्यूरेटेड पुस्तक प्रदर्शनी और मूसा डाकरी संग्रहालय का दौरा भी आयोजित किया गया।

154वीं गॉधी जयंती गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्वक मनाई जाए : एडीएम सिटी

अलीगढ़, (पंकज धीरज)। अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में 2 अक्टूबर को 154 वें गॉधी जयंती समारोह को गरिमापूर्ण एवं उत्साहपूर्वक मनाए जाने के लिए समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रमों को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत, भाईचारे एवं साम्प्रदायिक सद्भावना के वातावरण में आयोजित किया जाए। उन्होंने गॉधी जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी का जन्मदिवस 2 अक्टूबर देश के उन शहस्त्रों ज्ञात व अज्ञात स्वतन्त्रता संग्राम सैनानियों एवं क्रांतिकारियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का सुनहरा अवसर है जिन्होंने देश की स्वतन्त्रता के लिये अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, यह एतिहासिक दिन हम सबको गॉधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शो, सिद्धान्तों एवं सद्विचारों को अपनाने के साथ ही उनके पदचिन्हों पर चलने का सुअवसर प्रदान करता है।

एडीएम सिटी ने बताया कि 02 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे महानगर के मौहल्लों में स्काउट गाइड एवं छात्रों द्वारा प्रभात फेरियां निकाली जायेंगी और स्टेडियम में क्रास कन्ट्री रेस का आयोजन होगा। प्रातः 7 बजे समस्त

■ गॉधी जयंती समारोह के अवसर पर आयोजित किये जाएंगे विभिन्न कार्यक्रम

नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों की मलिन बस्तियों में सफाई अभियान एवं कीटनाशक दवाओं का छिडकाव किया जाएगा। प्रातः 9 बजे केन्द्र तथा राज्य सराकार के समस्त कार्यालयों एवं विद्यालयों में गॉधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र का अनावरण, माल्यार्पण एवं उनके जीवन पर प्रकाश डाला जायेगा। प्रातः 9 बजे जेल में कैदियों एवं अस्पतालों में रोगियों को फल वितरण, वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा जेल परिसर मे कवि सम्मेलन एवं साक्षरता कार्यक्रम आयोजित होंगे।

अपर जिलाधिकारी ने बताया कि प्रातः 11 बजे मदर टेरेसा चौरिटेबिल ट्रस्ट में बच्चों को खानपान एवं प्रातः 11:30 बजे रघुवीर सहाय इण्टर कॉलेज में गॉधी जी के जीवन दर्शन एवं स्वतन्त्रता संग्राम में उनके योगदान पर पेन्टिग, निबन्ध, वाद विवाद प्रतियोगता एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। सांय 4 बजे स्थानीय शास्त्री पार्क में वृक्षारोपण एवं माल्यार्पण एवं सांय 5 बजे नेशनल सर्विस स्कीम कार्यालय बाल भवन पर देशभक्ति, सामूहिक गीतों का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण किया जायेगा।

एएमयू : स्थाई वीसी के लिए छात्रों का धरना जारी

छात्र लगातार कर रहे आंदोलन, छात्रसंघ चुनाव की भी उठा रहे मांग

अलीगढ़, (ब्यूरो)। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालयम में स्थाई वाइस चांसलर की नियुक्ति करने और छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर यूनिवर्सिटी में छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्र धरने पर बैठे हुए हैं और लगातार स्थाई वीवी के लिए कमेटी गठित करने की मांग कर रहे हैं।

छात्रों का कहना है कि लगातार 6 महीने से यूनिवर्सिटी कार्यवाहक वाइस चांसलर के भरोसे चल रही है। यही कारण है कि यूनिवर्सिटी के काम प्रभावित हो रहे हैं और छात्रों के हित में आवश्यक फैसले नहीं लिए जा रहे हैं। छात्रों ने बताया कि वह पहले भी कई बार ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है।

5 साल से नहीं हुए छात्रसंघ चुनाव

छात्रों ने बताया कि यूनिवर्सिटी में पिछले 5 साल से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। जिसके कारण छात्रों के हित प्रभावित हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी में छात्रों के मुद्दों को उठाने और उनके हित की बातों को प्रबंधन के सामने लाने के लिए छात्रसंघ का होना बहुत जरूरी है। लेकिन 2018 के बाद से अभी तक चुनाव नहीं हुए हैं।

उन्होंने बताया कि यूनिवर्सिटी के उच्च अधिकारी लगातार छात्रों के हितों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं और चुनाव न करवाकर छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इसके लिए अलग से यूनिवर्सिटी को

निर्देश दिए हैं, फिर भी यूनिवर्सिटी छात्रों की अनदेखी कर रही है।

लगातार जारी रहेगा धरना प्रदर्शन

कैंपस में धरना दे रहे छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में अहम निर्णय लेने के लिए स्थाई वाइस चांसलर का होना बहुत जरूरी है। छात्रों ने बताया कि यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. तारीक मंसूर ने पहले कोरोना का हवाला देकर अपना कार्यकाल एक साल बढ़वा लिया था।

इसके बाद जब वह एमएलसी बन गए तो यूनिवर्सिटी को बीच में ही छोड़कर चले गए और नियमानुसार वीसी के चुनाव नहीं कराए। अब पिछले 6 महीने से कार्यवाहक वीसी ही यूनिवर्सिटी चला रहे हैं। जिसके कारण वह कोई निर्णय नहीं ले रहे हैं। अगर वह किसी तरह का संशोधन या नियम बनाते हैं तो वह यूनिवर्सिटी के संविधान के खिलाफ है। ऐसे में स्थाई वीसी की मांग को लेकर लगातार धरना जारी रहेगा।

पार्षदों ने श्रमदान का लिया संकल्प

एक तारीख, एक घंटा स्वच्छ भारत श्रमदान के लिए हुई बैठक

अलीगढ़, (ब्यूरो)। शासन द्वारा 1 अक्टूबर, को प्रातः 10 बजे 'एक तारीख एक घंटा' स्वच्छ भारत श्रमदान के तहत वृहद रूप से जन सहभागिता एवं जन-प्रतिनिधियों द्वारा श्रमदान कर महा सफाई अभियान को सफल बनाये जाने हेतु अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ शनिवार को अपने निकाय की सामान्य सभा/बोर्ड की विशेष बैठक आहूत किये जाने के आदेश दिए गए।

शासन के आदेशों के अनुपालन में शनिवार को नगर आयुक्त अमित आसेरी के नेतृत्व में नगर निगम पार्षदो की सामान्य बैठक जवाहर भवन में आहुत हुई। बैठक में नगर आयुक्त ने देशव्यापी एक तारीख एक घंटा स्वच्छ भारत श्रमदान को जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जनसहभागिता के साथ भव्य रूप से मनाए जाने के लिए सभी पार्षदों से सहयोग मांगा।

नगर आयुक्त ने सभी पार्षदो को सदन में संकल्प दिलाया कि 'हम अलीगढ़ नगर निगम बोर्ड के सदस्य की यह संकल्प लेते हैं कि हम अपने नगर, उत्तर प्रदेश राज्य एवं भारत को स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु निरंतर प्रयास करेंगे और उसके लिए आगामी 1 अक्तूबर को विशेष श्रमदान करेंगे। यह राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी जी को स्वच्छांजलि होगी।

बैठक में मंचासीन नगर आयुक्त अमित आसेरी अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव उप नगर आयुक्त राज किशोर प्रसाद मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह, उपसभापति कुलदीप पांडे, अनिल सेंगर, संजय पंडित, हाफिज अब्बासी ,असलम, इमरान खान, मोहम्मद हफीज अब्बासी, आसिफ अल्वी, नूर अब्बासी, मोहम्मद शाकिर, नईम अहमद, अब्दुल मुत्तलिब, मोहम्मद आदिल सहित नगर निगम के सभी पार्षद अधिकारी कर्मचारीगण मौजूद थे।

मंगलायतन विवि के विद्यार्थियों को मिला कैंपस प्लेसमेंट

अलीगढ़, (ब्यूरो)। मंगलायतन विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण करने के साथ ही विवि से बड़ी कंपनियों में जॉब पा रहे हैं। क्योंकि विद्यार्थियों को रोजगार परक शिक्षा देने के साथ नौकरी दिलाने पर फोकस किया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में आने वाली कंपनियों द्वारा विद्यार्थियों की योग्यता को परख कर उन्हें जॉब दी जा रही है। शुक्रवार को विवि के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल में हुए साक्षात्कार में सात विद्यार्थियों का चयन जॉब के लिए हुआ है। सभी विद्यार्थियों को अच्छे पैकिज पर जॉब ऑफर की गई है।

प्रशिक्षण प्लेसमेंट अधिकारी लव मित्तल ने बताया कि गुरुग्राम (हरियाणा) की कंपनी अप रोर लर्निंग के अधिकारी मुकुल सारस्वत द्वारा विश्वविद्यालय में एमबीए,

बीबीए, बीकॉम, बीटेक व बीसीए के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का साक्षात्कार किया गया। कुल 76 विद्यार्थियों द्वारा साक्षात्कार में भाग लिया गया था। जिनमें से सात विद्यार्थियों दया शंकर चौधरी, अर्पित गर्ग, फरान अहमद, ध्रुव गौतम, पल्लवी पाठक, मेघा सिंह व पूर्णिमा सिंह की योग्यता को परख कर जॉब के लिए चयन किया गया है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के प्लेसमेंट हेतु निरंतर साक्षात्कार कार्यक्रम आयोजित करता रहता है कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत के साथ ही विभागाध्यक्षों द्वारा चयनित विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

रोहन बोपन्ना ने जीता स्वर्ण पदक, मिश्रित युगल में रूतुजा के साथ बने चैंपियन

हांगझोऊ, एजेंसी

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने एशियाई खेलों में कमाल कर दिया। उन्होंने 42 साल की उम्र में स्वर्ण पदक जीत लिया। बोपन्ना शनिवार (30 सितंबर) को रूतुजा भोसले के साथ मिलकर मिश्रित युगल स्पर्धा में चैंपियन बने। उन्होंने फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के सुंग हाओ और एन शुओ की जोड़ी को 2-6, 6-3 (10-4) से हराकर जीत हासिल की। इससे पहले पुरुष युगल में रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी की जोड़ी ने रजत पदक जीता था।बोपन्ना और रूतुजा ने मैच में धीमी शुरुआत की। दोनों पहला सेट 2-6 से हार गए। पहला सेट हारने के बाद बोपन्ना और रूतुजा ने जोरदार वापसी की। दोनों ने दूसरे सेट को 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे सेट में सुपर टाई-ब्रेक हुआ। इसमें बोपन्ना और रूतुजा ने 10-4 से बाजी मारी।

बोपन्ना का दूसरा स्वर्ण

रोहन बोपन्ना अब दो बार के एशियाई खेल चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने 2018 में दिविज शरण के साथ पुरुष युगल में जीत हासिल की थी। 43 साल के इस खिलाड़ी ने उम्र को बस एक नंबर साबित कर दिया। उनके अनुभव का लाभ रूतुजा को भी मिला। दोनों ने मिलकर चीनी ताइपे की जोड़ी को चौंका दिया।

भारत ने स्क्वॉश में रचा इतिहास, पाकिस्तान को मात देकर जीता गोल्ड मेडल

हांगझोऊ, एजेंसी

भारत ने एशियाई खेलों में पाकिस्तान को 2-1 से हराकर पुरुषों की स्क्वॉश टीम स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। अभय सिंह ने स्क्वॉश पुरुष टीम फाइनल के तीसरे मैच में पाकिस्तान के जमान नूर को 11-7, 9-11, 7-11, 11-9, 12-10 से हराकर भारत के लिए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। सौरव घोषाल ने पहले मैच में मुहम्मद आसिम खान को हराया था, जबकि महेश मनगांवकर नासिर इकबाल से हार गए थे। भारत ने आखिरी बार पुरुष टीम स्क्वॉश का गोल्ड 2014 में इंचियोन में खेलों के संस्करण में जीता था। जबकि पाकिस्तानियों ने आखिरी पार 2010 में गुआनझू में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। ये मेडल एशियाई खेलों में भारत का 10वां गोल्ड और कुल मिलाकर 36वां मेडल था। इससे पहले प्रतियोगिता में महिला टीम ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। बता दें कि, एशियन गेम्स के 7वें दिन भारत ने टेनिस के मिश्रित युगल में रोहन बोपन्ना और रुतुजा भोसले की जोड़ी ने गोल्ड अपने नाम किया। भारत की 2 महिला मुक्केबाज लवलीना बोरहेगन और प्रीति ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में आसान जीत हासिल की और सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

मीराबाई चानू का अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त, चौथे स्थान पर रहीं

हांगझोऊ, एजेंसी

भारत की शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई खेलों में अभियान निराशानजक तरीके से समाप्त हुआ जिसमें यह ओलंपिक पदक विजेता शनिवार को महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा में खुद को चोटिल कर बैठी और चौथे स्थान पर रहीं।

स्नैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चानू दबाव में थीं और क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा वजन उठाने की कोशिश कर रही थीं जिससे वह कांस्य पदक जीत सकती थीं लेकिन दो बार ऐसा करने में विफल रहीं। अंतिम प्रयास में वह अपनी पीठ के बल गिर गयीं और उन्हें स्टेज से उठाकर ले जाना पड़ा। वह एरीना से लंगड़ाती हुई बाहर गयीं।

स्नैच वर्ग में वह केवल 83 किग्रा का ही वजन उठा सकीं और 86 किग्रा उठाने के दो प्रयासों में विफल रहीं। अंतिम स्नैच में वह 'स्क्वैट पाजीशन' से उठ ही नहीं सकीं और आगे की ओर गिर गयी जिससे 'बार' उनकी पीठ पर गिर गया।

भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम को नॉर्थ कोरिया से मिली हार

भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम की एशियाई खेलों में शुरूआत निराशाजनक रही जिसे पहले मैच में उत्तर कोरिया ने 3 . 1 से हरा दिया। भारत ने पहला सेट जीता लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके। पूल ए के इस मैच में उत्तर कोरिया ने उसे 23 . 25, 25 . 22, 25 . 17 से हराया।उत्तर कोरिया की योंजू किम ने 30 अंक बनाये जबकि भारत की सूर्या ने 18 अंक जोड़े। भारत का सामना रविवार को अगले पूल मैच में चीन से होगा। भारतीय पुरूष टीम छठे स्थान पर रही थी।

भारतीय निशानेबाजों का कमाल, सरबजीत और दिव्या ने जीता सिल्वर

हांगझोऊ, एजेंसी

एशियन गेम्स 2023 के 7वें दिन भारतीय निशानेबाजों का कमाल जारी है। वहीं इस कड़ी में भारत के सरबजोत सिंह और दिव्या थडिगोल ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर मेडल जीता है। हालांकि, इस दौरान इन दोनों निशानेबाजों को चीनी जोड़ी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। जिसके बाद ये जोड़ी गोल्ड मेडल से चूक गई।

सरबजोत सिंह और दिव्या थडिगोल की जोड़ी गोल्ड मेडल मैच की शुरुआत में तो चीनी जोड़ी से आगे थी, लेकिन आखिर में चीनी निशानेबाजों ने भारत को पछाड़ कर गोल्ड पर अपना कब्जा कर लिया।

क्वालिफिकेशन में सरबजोत ने 291 स्कोर किया जबकि दिव्या का स्कोर 286 रहा। दोनों का कुल स्कोर 577 रहा और वे क्वालीफिकेशन में चीन से एक अंक आगे रहे थे। लेकिन गोल्ड मेडल मैच में चीनी जोड़ी ने बाजी मारी।

इसके साथ ही भारत का एशियन गेम्स 2023 में शूटिंग में ये कुल 19वां मेडल है। अभी तक निशानेबाजी में 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है।

प्रीति ने मेडल पक्का करने के साथ पेरिस कोटा हासिल किया

भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार ने एशियाई खेलों में शनिवार को महिलाओं के 54 किलो सेमीफाइनल में प्रवेश करके पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया और पदक भी पक्का कर लिया। उन्नीस वर्ष की प्रीति ने तीन बार की विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता और मौजूदा एशियाई चैम्पियन कजाखस्तान की जाइना शेकेरबेकोवा को 4 . 1 से हराया। प्रीति ने आक्रामक शुरूआत की लेकिन उसकी अनुभवी प्रतिद्वंद्वी ने कई बार उसके रक्षण में सेंध मारी। इसके बावजूद प्रीति ने विचलित हुए बिना पहले दौर में 3 . 2 की बढत बना ली। आखिरी तीन मिनट में दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे पर जमकर घूंसे बरसाये लेकिन सटीक नहीं लगे। कजाखस्तान की खिलाड़ी पर थकान हावी हो गई (

एशियाई गेम से पहले बोले नीरज चोपड़ा- मैं दिमाग से चोट का ख्याल भी निकाल देना चाहता हूं

हांगझोऊ, एजेंसी

लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा एशियाई खेलों में इस चोट के बारे में सोचना भी नहीं चाहते। चोपड़ा ने जकार्ता में 2018 में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इस चोट के बावजूद उन्होंने इस सत्र में अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप जीती और सितंबर में डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे।उन्होंने कहा कि मैं स्विटजरलैंड में अभ्यास और इत्मीनान से रिहैब के बाद यहां आया हूं। उम्मीद है कि 100 फीसदी देकर पदक जीत सकूंगा। उन्होंने कहा कि चोट तो अभी भी है। पिछले साल भी मसला था लेकिन मुझे बेहतर लग रहा था । मुझे ख्याल रखना होगा क्योंकि पेरिस ओलंपिक की तैयारी भी है। इस तरह की चीजें शीर्ष स्तर पर खेलने वाले एथलीटों के साथ होती रहती है। उन्होंने कहा कि मैंने विश्व चैम्पियनशिप के दौरान भी इसके बारे में सोचने की बजाय अपने थ्रो पर फोकस किया।

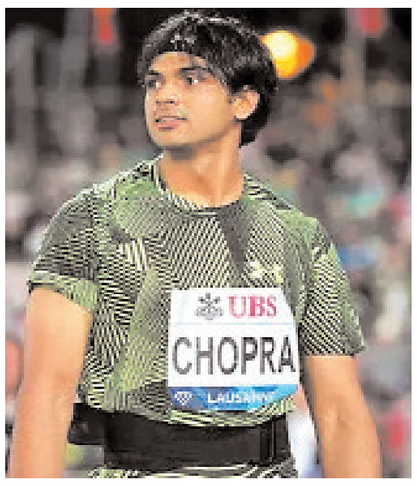

17 साल की पलक बनीं गोल्डन गर्ल, चार साल पहले ही शूटिंग चुनी, ओलंपिक पदक जीतना है सपना

नई दिल्ली, एजेंसी

पलक की चचेरी बहन का कहना है कि वह बचपन से ही काफी मेहनती रही हैं। खेल ही नहीं पलक पढ़ाई में भी अव्वल रही हैं। चचेरी बहन ने बताया कि पलक का सपना ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पदक जीतना और देश का नाम रोशन करना है। चीन के हांगझोऊ में चल रहे एशियाई खेलों में हरियाणा के झज्जर की पलक गुलिया ने इतिहास रच दिया। 17 साल की इस निशानेबाज ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। पलक की जीत से उनके गांव के साथ साथ पूरे देश में खुशी का माहौल है। उनके घर पर परिजनों ने मिठाइयां बांटीं और पटाखे जलाकर खुशियां मनाईं।

टीम स्पर्धा में ईशा-दिव्या के साथ मिलकर जीता रजत

पलक ने न सिर्फ व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता, बल्कि 10 मीटर एयर पिस्टल की टीम स्पर्धा में ईशा (579), पलक (577) और टीएस दिव्या (575) ने कुल 1731 का स्कोर कर रजत जीता। चीन ने 1736 के साथ स्वर्ण जीता। इसी के साथ ईशा और पलक ने व्यक्तिगत मुकाबलों के लिए क्वालिफाई किया।

पहले खराब शॉट के बाद संभलीं पलक

व्यक्तिगत स्पर्धा में पलक ने अपना पहला ही शॉट 9.1 का लगाया। पलक ने कहा कि वह इस शॉट के बाद नर्वस हो गईं लेकिन उन्होंने अपने को समझाया कि अभी 23 शॉट और पड़े हैं और पूरा मैच पड़ा है। उन्होंने अपने से कहा कि आप एक शॉट की वजह से पूरा मैच प्रभावित नहीं कर सकते हो।

इसके बाद पलक ने वापसी की अंत में नंबर एक की जगह पर पहुंच गईं, जिसे उन्होंने अंत तक कायम रखा। उन्होंने 242.1 का स्कोर कर गेम्स रिकॉर्ड बनाया। पलक ने कहा कि वह अपने क्वालिफिकेशन के स्कोर 577 से खुश नहीं है। उन्होंने अपने प्रदर्शन को 10 में से नौ नंबर दिए। ईशा ने 239.7 का स्कोर कर रजत जीता।

पलक के घर पर खुशी का माहौल

17 वर्षीय पलक झज्जर जिले के निमाणा गांव की रहने वाली हैं। उनके पैतृक गांव में लोग फुले नहीं समा रहे हैं। गांव के सरपंच और पलक के चाचा ने कहा है कि बेटी के हांगझोऊ से आने पर ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया जाएगा।

पलक की चचेरी बहन का कहना है कि वह बचपन से ही काफी मेहनती रही हैं। खेल ही नहीं पलक पढ़ाई में भी अव्वल रही हैं। चचेरी बहन ने बताया कि पलक का सपना ओलंपिक खेलों में भारत के लिए पदक जीतना और देश का नाम रोशन करना है। इसके लिए वह दिन-रात कड़ी मेहनत कर रही हैं। एशियाई खेलों में स्वर्ण उसकी मंजिल की एक सीढ़ी है। आने वाले समय में वह और पदक जीतकर देश को जरूर गौरवान्वित करेगी।

पलक ने चार साल पहले शुरू की थी शूटिंग

पलक ने चार साल पहले ही निशानेबाजी चुनी थी और इसमें करियर बनाने का सोचा था।

वर्गीकृत विज्ञापन

विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें 9319720113, 9891992737

आवश्यकता है
रिसेप्सन, रेस्टोरेन्ट बार में कार्य करने के लिए अनुभवी व्यक्तियों की आवश्यकता है। हाउस कीपिंग, इलेक्ट्रिशियन, पिलेम्बर व अन्य पदों के लिए। संपर्क करें-
0 8 4 3 5 0 2 2 2 0 7 , 0971186206809617170371
cmn-1308-

आवश्यकता है
सर्व हितकारी नर्सिंग होम, गोरबी रोड बरगवां में लैब टेक्निशियन-1 पद, अनुभव प्राप्त को वरियता संपर्क करें-
09425858651, 09691315931
cmn-1308-

कोटपेंट, शेरवानी
रेडीमेड कोटपेंट, इंडोवेस्टर्न कोटसूट, डिजाईनर, दुल्हा शेरवानी मैरिज कोटपेन्ट, ट्वीडब्लेजर, एडवोकेट कालाकोट, मोदी जैकेट 1650/- से हैवीरेंज तक, मैरिज सूट ब्रांडेड कंपनियों के होलसेल रेट पर फुटकर उपलब्ध- पीपलवाला शॉप, बडाफुहारा, जबलपुर मो- 2610029

जमीन बेचना है
ग्राम डगा में बैढ़न-बरगवां मेन रोड रेलवे स्टेशन क्रासिंग के निकट पर स्थित भूमि लगभग 33×150 फिट जिसमें 33×60 में मकान बना है जिसे बेचना है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 08004833683 09406778743 cmn-1306

आवश्यकता
एक सुपरवाईजर की जो बिल्डिंग कन्सट्रेक्षन इत्यादि कार्य करा सकें।नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास पहाड गंज स्थित एक गैस्ट हाउस में। अनुभवी तथा ईमानदार व्यक्तियों को वरियता। आवदेन करें -vineet.palk@gmail.com

आयुर्वेदिक प्रोडक्टस कंपनी को चाहिए भारी संख्या में लड़के एवं लड़कियां अनपढ़ से ग्रेजुएट सैलरी 14900-29500 सिटिंग जॉब डायरेक्ट भर्ती सभी कंपनी सुविधाएं-9643045844

Estate & Properties
Two bedroom flat on First Floor in IP Extn. Socities New Delhi Available For Sale Area about one 1200 sq. ft.
Contact:abcproperties@gmail.com

सूचना
गणित एवं विज्ञापन पढ़ाने हेतु अध्यापकों की महादेवी मैमारियल पब्लिक स्कूल, नई आवादी, नगला अजीता(निकट केंद्रीय कारागार), आगरा।

❒आधारकार्ड प्रोपर्टी, बिजनेस, होम पर्सनल समस्त लोन उचित ब्याज दर पर मो - 7428027411-

आवश्यकता
दिल्ली से प्रकाशित **हिन्दी दैनिक श्रीजी एक्सप्रेस** को आवश्यकता है रिपोर्टर, उप संपादक, समाचार संपादक, समस्त भारत में ब्यूरो सहित विज्ञापन प्रतिनिधियों की । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें- 9673140113,9319720113
Shreejiexpress2013@gmail.com

सैक्स समस्याएं

●मर्दाना कमजोरी ●शीघ्रपतन ●घात रोगी ●अंगों का अविकसित होना ●स्वप्नदोष ●शुक्राणु की कमी
नवीन क्लीनिक (दिल्ली)
9811564909, 9210990444

चेतन क्लीनिक
24 साल का सफल अनुभव
विश्व प्रसिद्ध गुप्त रोग चिकित्सक-9817469817

ज्योतिष
हमसे पहले काम करने वालों को मुंहमांगा इनाम
बाबा फतेह खान बंगाली
प्रेम विवाह, सौतन, दुश्मन, से छुटकारा, पति, पत्नी में अनबन,प्यार में धोखाधड़ी, रुठे को मनाना, संतान या वदिश यात्रा में रुकावट आदि - 9837816161

ज्योतिष
घर बैठे 2 घंटे में समाधान

वशीकरण मुठकरनी स्पेलिस्ट हमारे यहां मनचाहा प्यार, प्रेम विवाह , सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति पत्नी में अनबन प्यार में धोखा आदि समस्याओं से निजात पाए -
पंडित पी.के. शर्मा

ज्योतिष
घर बैठे 2 घंटे में समाधान
गुरु सिकंदर कलकत्ते वाले
मेरे किये की कोई काट नहीं प्रेम विवाह , सौतन, दुश्मन से छुटकारा पति पत्नी में अनबन प्यार में धोखा आदि समस्याओं से निराश न हो एक बार फोन जरूर करें-
9997096520

टूर-ट्रैवल्स
श्याम टूर-ट्रैवल्स
हमारे यहां सभी प्रकार के वाहन उपलब्ध है तथा पुराने वाहनों का मरम्मत आदि का कार्य उत्तम रेट पर किया जाता है।
-सुखविंदर सिंह लवली, विकास मार्केट, लक्ष्मी नगर-011-40154354

लोन-ही लोन
पर्सनल लोन, हाऊसिंग लोन, मार्कशीट लोन, अगेंट प्रापर्टी, कृषि लोन, पशुपालन लोन, वेयरहाऊस लोन,एजुकेशनल लोन, क्रेडित कार्ड एवं आईटीआर रिर्टन एवं पैनकार्ड प्रोफाइल हेतु सम्पर्क करें-प्रापर्टी एडवाइजर,34 उत्तम नगर, दिल्ली-

इंडिका/इंडिगो चाहिए
अरजेन्ट इण्डिगो इण्डिगा टैक्सी चाहिए। शासकीय कार्यालय प्रायोजन हेतु इण्डिका-18,000/- प्रतिमाह एवं इण्डिगो 20,000/- प्रतिमाह की दर से देय होगा। स्टाम्प पर 3 वर्ष का अग्रीमेंट आवश्यक होगा। संपर्क करें-
9407040469, 9589970651
cmn-1313-

ऑफिस फर्नीचर की सम्पूर्ण रेंज प्राप्त करने का एक मात्र स्थान

ऑफिस टेबल, ऑफिस चेयर, रिवोल्विंग चेयर, कम्प्यूटर टेबल, ऑफिस अलमारी, रेक, बुक सेल्फ आदि उचित रेट
पता : मंगल फर्नीचर एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स, उत्तम नगर

Call us at 9319720113° 09891992737, or Mail us at advtshreejiexpress@gmail.com

वैधानिक सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि इस समाचार पत्र में मुद्रित होने वाले किसी भी विज्ञापन पर आपत्ति करने व कानूनी कार्रवाई से पहले विज्ञापन में दी गई शर्तों व नियमों, दावों और सेवा के बारे में पूरी तरह से जानकारी हासिल कर जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र किसी भी उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विषय में विज्ञापन दाता द्वारा दिए गए दावों का उल्लेख करता है न ही पुष्टि करता है न ही उसके पक्ष में हैं। किसी भी विज्ञापन के संबंध में विज्ञापन दाता उत्तरदायी होगा न कि समाचार पत्र। पूर्व में विज्ञापन के संबंध में दिए गए मोबाइल नं पर सम्पर्क कर अपना समाधान स्वयं करें। समाचार प्रबंधन किसी भी बात के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। विज्ञापन प्रबंधक

शाहरुख सर रोमांस के किंग हैं

ऐक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने बहुत कम समय में खुद को एक विश्वसनीय अदाकारा के रूप में स्थापित कर लिया है। चाहे बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही दंगल, बधाई हो और जवान जैसी फिल्में हों या ओटीटी पर आई पगलैट, लूडो, कटहल जैसी फिल्में, सान्या ने हमेशा दिल जीता है। इन दिनों जवान की सफलता का जश्न मना रहीं सान्या से हमने की खास बातचीत -

फिल्म जवान के रिलीज के पहले ही उसके सुपरहिट होने की उम्मीदें जताई जा रही थीं। आपको इस बात की कितनी उम्मीद थी?

मैं बहुत एक्साइटेड थी। हमें भी यकीन था कि फिल्म बहुत अच्छा करेगी। पहली बार मुझे जरा भी संशय नहीं था। फिर मुझे शाहरुख सर के साथ खुद को देख कर बहुत खुश थी। जब मैंने खुद ये फिल्म देखी थी तो लगा कि क्या मूवी है तो मुझे पूरा भरोसा था कि लोगों को भी यही लगेगा कि कमाल की फिल्म है। मैं तीन बार फिल्म देख चुकी हूं। गेटी गैलेक्सी में फिल्म देखने का अनुभव तो मुझे हमेशा याद रहेगा क्योंकि जब जिंदा बंदा गाना शुरू हुआ तो सब लोग उठकर डांस करने लगे और मैं भी उनके साथ डांस करने लगी। बहुत ही अद्भुत अहसास था कि एक ओर मैं शाहरुख सर के साथ स्क्रीन पर डांस कर रही हूं और इधर ऑडियंस के साथ डांस कर रही हूं।

फिल्म करते वक्त आपके लिए सबसे चैलेंजिंग बात क्या रही?

मैंने इस फिल्म में बहुत सी नई चीजें की हैं, जैसे पहली बार मैंने इसमें बंदूक चलाई है, तो हमने गन चलाने की ट्रेनिंग की। हमने एक ट्रक का ऐक्शन सीक्वेंस किया है और मैं पहली बार ऐक्शन कर रही थी तो उसको लेकर बहुत एक्साइटेड थी। मैंने दंगल में कुश्ती की थी पर ये मेरी पहली ऐक्शन फिल्म थी तो चैलेंज कई थे, लेकिन मुझे बहुत मजा आया। वैसे भी, बतौर ऐक्टर मैं खुद को कंफर्ट जोन में नहीं डालना चाहती तो मैं खुद को चैलेंज करती रहती हूं और अलग-अलग तरह के करैक्टर करती रहती हूं। मुझे लगता है कि जिस दिन मैं कंफर्टेबल हो गई, मुझे काम करने में मजा नहीं आएगा।

शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार के साथ काम करके कुछ नया सीखने को मिला?

शाहरुख सर से बहुत कुछ सीखने को मिला। एक भी सेकंड ऐसा नहीं होता है कि आप उनसे सीख नहीं सकते हैं। चाहे उनके साथ काम करके सीखना हो या उनके इंटरव्यूज देखकर या उनके साथ बात करके सीखना हो। मुझे शाहरुख सर के इंटरव्यूज देखना बहुत पसंद हैं। जैसे सब लोग बोलते हैं कि वह रोमांस के बादशाह हैं। वह किसी को भी रोमांस कर सकते हैं, उसकी वजह ये है कि वो औरतों की इज्जत करते हैं। जब आप इज्जत करते हैं तो वो चीज आपके काम और जिदंगी में दिखती है। आप उनसे न केवल ऐक्टर्स के तौर पर बल्कि इंसान के तौर पर बहुत कुछ सीख सकते हैं। वह खुद में एक इंस्टीट्यूशन हैं। मैंने उनसे जो सबसे बड़ी चीज सीखी है, वो है रिलैक्स रहना। वह बहुत ही सहज रहते हैं सेट पर। मैंने उन्हें कभी स्ट्रेस लेते नहीं देखा, जबकि मैं हर चीज के बारे में बहुत ज्यादा सोचती हूं। मैं हर चीज पर सौ बात सोच लूंगी, पूरी रात नहीं सोऊंगी, शाहरुख सर ने भी शायद यह बात नोटिस की तो उन्होंने मुझसे कहा कि दिल की सुना करो, दिमाग इतना मत लगाया करो। मैं उनकी ये सीख हमेशा याद रखूंगी।

आपने दंगल में आमिर खान और जवान में शाहरुख खान के साथ काम किया है। इन दोनों में क्या समानता और क्या अंतर पाया?

दोनों अपने काम को लेकर बेहद जुनूनी हैं। जिस प्यार और जुनून से वे फिल्में बनाते हैं, वही प्यार उन्हें ऑडियंस से भी मिलता है। अगर वे इतने साल से सुपरस्टार्स हैं तो उसकी एक वजह है कि वे अपने ऑडियंस को सही मायने में एंटरटेन करना जानते हैं। बाकी अंतर तो मुझे कोई नहीं लगा।

दंगल, जवान, पगलैट जैसी अपनी सभी फिल्मों में आपने एक सशक्त औरत का प्रतिनिधित्व किया है। आप खुद इन किरदारों से कितना रिलेट करती हैं?

ये औरतें, जिन्हें मैं पर्दे पर उतार रही हूं, उन्हें हम अपने आसपास देखते हैं। मुझे लगता है कि ये औरतें मुझे इतना इंस्पायर कर रही हैं तो जब कोई छोटी लड़की ये फिल्म देखेगी तो कितनी प्रेरित होगी। ये औरतों का स्क्रीन पर सही चित्रण है, जो मुझे लगता है कि बहुत जरूरी है कि हम अपनी औरतों का सही रेप्रजेंटेशन पर्दे पर करें। हम औरतें रोज अपनी लड़ाई लड़ती और जीतती हैं। अभी आप ये इंटरव्यू ले रही हैं, उससे पहले आपने सौ काम किए होंगे या आपको इसके बाद भी करने होंगे। ऐसा कुछ भी नहीं है जो एक औरत नहीं कर सकती है और ये वो औरतें हैं जिन्हें मैं पर्दे पर बतौर ऑडियंस देखना चाहती हूं। मैं ऐक्टर्स को ऐसे किरदार करते हुए देखना चाहूंगी, जिससे मैं रिलेट कर सकूं, कुछ सीख सकूं तो जब कोई किरदार मुझे ऑफर होता है, मैं ये देखती हूं कि वो औरत लिखी कैसी गई है। ये मेरे लिए बहुत इंपॉर्टेंट चीज होती है।

धमकी मिलने पर विजय सेतुपति ने छोड़ी बायोपिक

विजय सेतुपति को स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 800 के लिए अप्रोच किया था। ये फिल्म श्रीलंकाई क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन की बायोपिक है। हालांकि बाद में एक्टर ने अज्ञात कारणों के चलते फिल्म में काम करने के इनकार कर दिया था। विजय ने फिल्म के लिए ना क्यों किया, इसे लेकर अब मुथैया ने खुद खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म को हां करने पर कई राजनेताओं की तरफ से विजय को धमकी मिलने लगी थी। परिवार की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए विजय ने फिल्म में काम करने से मना कर दिया।

कहानी सुन विजय ने फिल्म करने के लिए हामी भरी थी

इंटरव्यू में मुथैया ने बताया कि, आईपीएल के दौरान, इस फिल्म के डायरेक्टर ने मुझे बताया कि विजय सेतुपति एक शूटिंग के लिए मेरे वाले ही होटल में ठहरे थे। मौका था तो डायरेक्टर ने विजय के सामने मेरे साथ मीटिंग की पेशकश कर दी। विजय को मेरी क्रिकेट स्किल पसंद है, इस कारण वो मुझसे मिलने के लिए तैयार हो गए। मुलाकात के दौरान सारी चीजें सही रहीं। स्क्रिप्ट सुनने के लिए उन्होंने 5 दिन बाद का समय निकाला। स्क्रिप्ट उन्हें बहुत पसंद आई। विजय ने कहा कि वो इतनी अच्छी कहानी को खोना नहीं चाहते हैं। फिर उन्होंने फिल्म में काम करने के लिए कंफर्म कर दिया। इसके बाद, हमने उनके साथ डील पक्की कर ली और प्रोडक्शन हाउस से फिल्म की तैयारी शुरू कर दी।

जब ये खबरें सामने आई कि विजय मेरी बायोपिक कर रहे हैं, जब कुछ राजनेताओं ने कुछ गलत कारणों का हवाला देते हुए उन्हें फिल्म में काम ना करने की धमकी दी। मुथैया ने आगे कहा कि वो नहीं चाहते थे कि उनकी और उनकी फिल्म की वजह से विजय का करियर ना खराब हो। 800 एक स्पोर्ट्स फिल्म है और इसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। जब फिल्म में विजय ने काम करने से मना कर दिया, तब मेकर्स ने उनकी जगह स्लमडॉग मिलियनेयर फेम मधुर मित्तल को लिया। फिल्म 800 6 अक्टूबर को तमिल, अंग्रेजी और सिंहली सहित कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है।

कटरीना की फिल्म मैरी क्रिसमस में दिखेंगे

विजय सेतुपति हाल ही में रिलीज हुई फिल्म जवान में दिखे थे। फिल्म में उन्होंने विलेन का रोल प्ले किया था। उन्होंने कुछ समय पहले ही अरुमुगकुमार के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो विजय क्रिसमस के मौके पर रिलीज होने वाली कटरीना कैफ की फिल्म मैरी क्रिसमस में दिखेंगे।

बेटे की फिल्म दोनों देखकर खुश हुए सनी देओल

सनी देओल के छोटे बेटे राजवीर देओल जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। 5 अक्टूबर को उनकी फिल्म दोनों सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में राजवीर इन दिनों अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रहे हैं। वहीं अब हाल ही में एक्टर ने डेब्यू फिल्म पर अपने पिता के रिएक्शन को लेकर बात की। एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपनी फैमिली से बहुत सी चीजें सीखी हैं, जिन्होंने उन्हें बेहतर बनाया है। राजवीर ने पहली फिल्म को लेकर अपने पिता के रिएक्शन के बारे में बात की। उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता है कि हमने कभी मेरे एक्टर बनने को लेकर कोई बात की है। मुझे लगता है कि वह हमेशा से जानते थे कि मैं यही रास्ता अपनाऊंगा। वह खुश हैं, उन्हें राहत मिली है। उन्होंने दोनों देखने के बाद अवनीश से कहा- मेरे बेटा एक्टिंग कर सकता है।

काम घर के बाहर छोड़कर आना चाहिए

राजवीर ने आगे कहा- मैंने अपने परिवार से कई चीजें सीखी हैं, उनमें से सबसे खास यह है कि अपना काम घर के दरवाजे पर छोड़ देना सबसे अच्छी बात है। जब आप घर पर होते हैं और घर पर काम के बारे में सोचते हैं, तो इसमे जरूरत से ज्यादा समय लग जाता है। राजवीर ने आगे कहा- 'एक बात जिसने मुझे सुकून दिया, वह यह थी कि मुझे अपने पिता या दादा या चाचा बनने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। इस इंडिस्ट्री में अपनी खुद की पहचान बनाने में बहुत समय लगता है, लेकिन मेरे पिरवार से आए सभी लोगों को मुझे पर उनके जैसा बनने का दबाव नहीं डालना चाहिए।

राजश्री प्रोडक्शन से डेब्यू कर रहे हैं

बता दें कि राजवीर परिवार के प्रोडक्शन हाउस की जगह राजश्री प्रोडक्शन ने अपनी पहली फिल्म करने जा रहे हैं। एक्टर बता चुके हैं कि उन्होंने इस फिल्म के लिए ऑडिशन भी दिया था। इस फइल्म में राजवीर के साथ एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा ढिल्लों लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनकी भी डेब्यू फिल्म होने वाली है।

अब याद रखने लायक नहीं बनते गाने

महान कवि और लेखक जावेद अख्तर का कहना है कि अब पहले की तरह काम नहीं होता। उन्होंने कहा कि पहले के गानों के लिरिक्स फिल्म की कहानी से मेल खाते थे लेकिन आज के लिरिक्स पहले की तरह काम नहीं करते क्योंकि वे फिल्म की कहानी और उसकी भावनाओं पर आधारित ही नहीं होते। पीटीआई को दिए इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने कहा, ऐसा नहीं है कि लेखक अच्छे गाने नहीं लिख सकते, बल्कि उन्हें अच्छे गाने लिखने का मौका ही नहीं मिल रहा है। ऐसे कई कारण हैं जिनकी वजह से गाने भूलने लायक हो गए हैं। एक तो टेम्पो और बीट बहुत हाई हो गयी है। बैकग्राउंड में दो अलग गाने चल रहे हैं, अब कोई लिप-सिंक भी नहीं है। अख्तर का कहना है कि अब गानों का फिल्मों की कहानी से कोई लेना-देना नहीं होता। गानों में से इमोशन, गम, खुशी और दिल टूटने का दर्द खत्म हो चुका है। आजकल गाने कभी भी बजा दिए जाते हैं। बैकग्राउंड में गाने चल रहे हैं। पहले गाने इंसान को इमोशनली जोड़ने के लिए होते थे और कहानी का हिस्सा होते थे। एक गाना सीन की तरह होता था, एक्टर लिप सिंक करता था। जावेद अख्तर हाल ही में रियल एस्टेट डेवलपर द अनंत राज कॉरपोरेशन (टीएआरसी) द्वारा आयोजित एक सेशन और बुक साइनिंगर इवेंट में भाग लेने के लिए शहर में थे। उन्होंने नसरीन मुन्नी कबीर द्वारा लिखित अपनी संवादात्मक जीवनी टॉकिंग लाइफ के बारे में भी बात की। गौरतलब है कि जावेद अख्तर ने कई सदाबहार गानों के बोल लिखे हैं।

बैटल ऑफ सारागढ़ी के डिब्बाबंद होने से डिप्रेशन में चले गए थे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा ने डिप्रेशन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक्टर ने बताया कि किस तरह उनकी एक फिल्म का डिब्बाबंद हो गया था और उसके बाद वह तनाव का शिकार हो गए थे। उनकी हालत तो इतनी खराब हो गई थी कि पैरेंट्स भी बेटे को अकेला नहीं छोड़ते थे। दरअसल रणदीप हुड्डा और राजकुमार संतोषी एक हिस्टोरिकल फिल्म बना रहे थे बैटल ऑफ सारागढ़ी। ये फिल्म अक्षय कुमार की वजह से अधर में लटक गई और इसका असर रणदीप हुड्डा के हेल्थ पर पड़ा था। हुआ यूं था कि अक्षय कुमार भी सारागढ़ी युद्ध पर साल 2018 में केसरी फिल्म लाए थे, जिसमें उनके साथ परिणीति चोपड़ा नजर आई थीं। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई मगर रणदीप हुड्डा और राजकुमार संतोषी की फिल्म डिब्बाबंद हो गई।

क्यों बेटल ऑफ सारागढ़ी का हुआ डिब्बाबंद

रणदीप की फिल्म का विषय भी सारागढ़ी युद्ध पर ही था। ऐसे में दर्शक पहले ही अक्षय कुमार की केसरी को देख चुके थे। फिर बैटल ऑफ सारागढ़ी रिलीज न हो सकी और ठंडे बस्ते में चली गई।

खतरनाक डिप्रेशन में चले गए थे रणदीप हुड्डा

अब रणदीप हुड्डा ने सालों बाद इंटरव्यू में इस किस्से को साझा किया। रणदीप हुड्डा ने कहा, जब बैटल ऑफ सारागढ़ी रिलीज नहीं हुई तो वह खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे थे। मैंने उस प्रोजेक्ट को 3 साल का समय दिया था। ऐसे में मैं डिप्रेशन के बड़े स्टेज तक पहुंच गया था। रणदीप हुड्डा ने अपनी हालत के बारे में बात करते हुए कहा कि वह हमेशा चुप चुप रहा करते थे। उनके पैरेंट्स उन्हें अकेला तक नहीं छोड़ते थे। खुद को वह कमरे में बंद करके रखते थे। उन्हें ऐसा डर सताता था जैसे कोई उनकी दाढ़ी-मूंछ काट देगा। बस तभी उन्होंने तय कर लिया था कि वह अब फिर ऐसा खुद के साथ नहीं होने देंगे।

मुंबई डायरीज के दूसरे सीजन में मोहित रैना का है प्रमुख किरदार

मोहित रैना की 'मुंबई डायरीज के दूसरे सीजन' को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज है। मेकर्स ने इस सीजन का पोस्टर जारी कर अपडेट जारी किया था। इसके बाद टीजर रिलीज किया गया। इस बीच आज शुक्रवार (29 सितंबर) को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। इसकी शुरुआत वॉयसओवर से होती है जिसमें घोषणा की जाती है कि 26 नवंबर की रात को कोई नहीं भूल सकता।

ट्रेलर में आगे लगातार बारिश के कारण मुंबई को रेड अलर्ट पर रखा गया है और नागरिकों को घर के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। इसके बाद अस्पताल के अंदर का सीन बदल जाता है क्योंकि संकट के समय में वहां मरीजों की भीड़ होती है। इस बीच जब डॉ. कौशिक (मोहित रैना) बढ़ते तनाव को संभालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो उन्हें यह स्वीकार करना पड़ता है कि ट्रॉमा सर्जन बनने के लिए उनमें उतनी इच्छा नहीं है। ट्रेलर फिर दिखाता है कि कैसे बाढ़ अस्पताल के अंदर भी तबाही मचाती है, क्योंकि डॉक्टरों और कर्मचारियों को सीमित संसाधनों के साथ समस्याओं से निपटने के लिए छोड़ दिया जाता है। इसे निखिल आडवाणी ने बनाया है। इसमें मोहित, कोंकणा सेन शर्मा, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मुण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलावाड़ी की मुख्य भूमिका है। सीरीज 6 अक्टूबर को प्राइम वीडियो पर आएगी।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक सौरभ वार्ष्णेय द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रैस, बी-868, न्यू अशोक नगर, दिल्ली से मुद्रित कराकर सी-1/9, तृतीय तल, संजय एंकलेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली -110059 से प्रकाशित किया।
संपादक - सौरभ वार्ष्णेय, आर.एन.आई नं DELHIN/2016/71693 (किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा नई दिल्ली क्षेत्र के न्यायालय में ही मान्य होगा) (फोन नं. - 9891992737, 9673140113, विज्ञापन- 9319720113, प्रसार व्यस्थापक-9891992737)